RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 127 ● भिलाई, शुक्रवार 21 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में शिवसेना नेता पर हमला, बेटे को भी जान से मारने की कोशिश

फगवाड़ा। फगवाड़ा के गौशाला बाज़ार क्षेत्र में देर शाम उस समय तनाव फैल गया जब शिवसेना के वरिष्ठ नेता इंद्रजीत करवल और उनके बेटे जिमी करवल पर अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में जिमी करवल गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत फगवाड़ा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि हमलावरों ने मौके पर तीन राउंड फायरिंग की। हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच जारी है। हिंदू संगठनों ने इस हमले के विरोध में बुधवार 19 नवंबर को फगवाड़ा बंद रखने का एलान किया है। खबर लिखे जाने तक शिवसेना नेताओं द्वारा हमलावरों को गिरफ्तार करने की मांग की जा रही है। हमले की वजह अभी साफ नहीं है, लेकिन प्रारंभिक संकेत इस घटना को 13 अप्रैल 2018 के गोल चौक विवाद से जोड़कर देख रहे हैं, जिसमें गोली लगने से एक युवक की मौत हुई थी। इस मामले में इंद्रजीत करवल और उनके साथियों को करीब चार साल जेल में रहना पड़ा था और वे हाल ही में जमानत पर रिहा हुए थे।

कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में लेजाई जा रही लाश, प्रशासन बेखबर

फगवाड़ा। फगवाड़ा में इंसानियत उस समय शर्मसार हुई जब एक लावारिस लाश को नगर निगम द्वारा संस्कार करवाने के लिए जब सिविल अस्पताल फगवाड़ा से लेकर जाया गया तो उसे कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में ले जाया गया। इस संबंधी जब मौके पर मौजूद मीडिया कर्मियों द्वारा कूड़ा उठाने वाली गाड़ी के ड्राइवर से बातचीत की तो उसने कहा कि या सिलसिला पिछले लंबे समय से चल रहा है। लावारिस लाशों को संस्कार करवाने के लिए इसी प्रकार से ले जाया जाता है। नगर निगम अधिकारियों को यह बात पता है कि लावारिस लाशें कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में ही जाती है। यह वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो फगवाड़ा की कई समाजसेवी संस्थाओं ने इसकी निंदा करनी शुरू कर दी। उधर, दूसरी ओर जब इस संबंधी फगवाड़ा के मेयर रामपाल उप्पल से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी की लावारिस लाशें सिविल अस्पताल से कैसे लेकर जाते हैं ।

राष्ट्रपति मुर्मू का छत्तीसगढ़ में बड़ा ऐलान

आदिवासी समुदायों का विकास प्राथमिकता,उग्रवाद पर लगाम

अंबिकापुर/ संवाददाता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश भर के नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा. छत्तीसगढ. के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समाज को दूसरे अन्य समाजों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ.ना चाहिए.उन्होंने कहा, छत्तीसगढ. सहित पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं. केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा. यह एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव है. राष्ट्रपति ने कहा कि 1.65 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हाल ही में आयोजित 'बस्तर ओलंपिक' में हिस्सा लिया. यह बहुत खुशी की बात है.उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है जनजातीय महानायकों के आदर्शों पर चलते हुए, छत्तीसगढ. के निवासी सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे. मुर्मू ने कहा, महिलाएं समाज की धरोहर हैं और जब महिलाएं आगे बढ.ती हैं तो समाज आगे बढ.ता है.' मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला विश्व कप जीतने वाली क्रिकेट टीम के

साथ हाल ही में हुई मुलाकात को याद करते हुए आदिवासी महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ की तारीफ की.उन्होंने कहा, मातृ-शक्ति या महिला-शक्ति के स्मरण से मुझे विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की याद आई. उन सभी बेटियों से मैं हाल ही में राष्ट्रपति भवन में मिली थी. जनजातीय समाज की बेटी क्रांति गौड़ ने उस टीम में अपना विशेष स्थान बनाया है. मुझे जानकारी मिली कि भारत की टीम तक पहुंचने की यात्रा में उस बेटी को बहुत ही विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था. राष्ट्रपति ने कहा, मैं कहना चाहूंगी कि क्रांति गौड़ ने सारे देश की बेटियों, विशेषकर जनजातीय समाज की बेटियों के लिए धीरज, हिम्मत और परिश्रम का क्रांतिकारी उदाहरण प्रस्तुत किया है. उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेलों को खत्म होने के बजाय बचाया जाना चाहिए और बढ.ावा दिया जाना चाहिए.राष्ट्रपति ने कहा कि आदिवासी समुदायों ने हमेशा खेलों में गहरी दिलचस्पी और प्राकृतिक प्रतिभा दिखायी है तथा उन्हें आने वाली पीढि.यों के लिए इस ताकत को बढ.ाते रहना चाहिए. मुर्मू ने कहा, छत्तीसगढ. में आज के इस आयोजन की तरह, विभिन्न राज्यों तथा संघ राज्य-क्षेत्रों की अपनी यात्राओं के दौरान, मैं वहां के जनजातीय समुदायों पर कें्द्रित कार्यक्रमों में शामिल होती हूं. मैं उन समुदायों से बातचीत करती हूं. जनजातीय बहनों से भेंट करने को मैं

कलिंदर राम ने राष्ट्रपति को पैरी और गमछा किया भेंट

इस दौरान राज्य के पारंपरिक आभूषणों की प्रदर्शनी लगाई गई। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर आभूषणों के संबंध में जानकारी ली। कलिंदर राम ने राष्ट्रपति को पैरी और गमछा भेंट किया, जिसे राष्ट्रपति ने आत्मीयता के साथ स्वीकार किया। कलिंदर राम ने राष्ट्रपति को बताया कि पारम्परिक आभूषण गिलट, तांबे, चांदी, सोना आदि धातु से निर्मित हैं, जिसे विभिन्न लोकपर्वों के अवसर में धारण करते हैं। इस दौरान गले में पहने जाने वाले हसुली, बांह में बहुटा, कलाई में ऐंठी, गले में रूपया वाला चंदवा, कमर में कमरबंध, पैर में पैरी एवं पैर की अंगुलियों में बिछिया, कान में ठोठा तथा नाक में पहने जाने वाले छुछिया (फूली) का प्रदर्शन किया गया।

रॉबर्ट वाड्रा की मुश्किलें बढ़ीं

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने दायर किया नया आरोपपत्र

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ब्रिटेन स्थित रक्षा डीलर संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन के एक मामले में व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एक नया आरोपपत्र दायर किया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति वाड्रा तीन अलग-अलग धन शोधन मामलों में ईडी की नज़र में हैं, जिनमें से दो हरियाणा और राजस्थान में भूमि सौदों में कथित अनियमितताओं से संबंधित हैं। अप्रैल में, 2008 के हरियाणा भूमि सौदे के सिलसिले में उनसे लगातार तीन दिनों तक पूछताछ की गई थी। एक अन्य मामला राजस्थान के बीकानेर में एक भूमि सौदे में कथित वित्तीय

अनियमितताओं से संबंधित है। यह मामला 2023 के आरोपपत्र में दर्ज ईडी के निष्कर्षों से संबंधित है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि संजय भंडारी ने 2009 में लंदन में 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर में एक संपत्ति अर्जित की और इसका वाड्रा के निर्देशों के अनुसार नवीनीकरण कराया।

शव से लिपटकर रोते रहे परिजन

कुख्यात नक्सली माडवी हिड़मा और उसकी पत्नी राजे का पूर्वती गांव में हुआ अंतिम संस्कार

रायपुर। छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश सीमा पर 18 नवंबर की सुबह हुई बड़ी मुठभेड़ में ढेर कुख्यात नक्सली माडवी हिड़मा और उसकी पत्नी राजे का रविवार को सुकमा जिले के पूर्वती गांव में अंतिम संस्कार किया गया। सुरक्षा एजेंसियों की कड़ी निगरानी के बीच हिड़मा के पैतृक गांव पूर्वती में चार गांव के लोगों की भीड़ जुटी। इस दौरान हिड़मा की मां शव से लिपटकर जोरङ्जोर से विलाप करती रही। पास खड़ी सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोढ़ी भी खुद को संभाल नहीं पाईं और हिड़मा के शव से लिपटकर रोने लगीं। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए हिड़मा के शव को काले पैंट-शर्ट पहनाकर अंतिम यात्रा निकाली गई, जबकि उसकी पत्नी राजे को लाल जोड़े में पारंपरिक रीति-रिवाज से विदाई दी गई। परिजनों ने पहले ही शासन प्रशासन से मांग की थी कि शव गांव में ही अंतिम संस्कार के लिए शव दिया जाये। उनकी मांग पर सहमति देने के बाद दोनों के शव शनिवार देर शाम गांव पहुंचाए गए, जिसके बाद सुबह से ही चारों तरफ के गांवों से लोग पहुंचे।

अंतिम संस्कार के दौरान चार पांच गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में जुटे। 18 नवंबर को हुए संयुक्त अभियान के दौरान छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश की सीमा पर सुरक्षा बलों ने सात नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें हिड़मा और उसकी पत्नी राजे भी शामिल थे। यह वही इलाका है जहां बीते कई वर्षों से नक्सलियों की बड़ी गतिविधियां संचालित होती रही हैं। माडवी हिड़मा को नक्सल संगठन का सबसे खूंखार नक्सली माना जाता था। 35 वर्ष की उम्र में वह करीब 300 से अधिक हत्याओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल रहा। लगभग दो दशक तक वह नक्सली संगठन की दंडकारण्य स्पेशल ज़ोनल कमेटी का सक्रिय चेहरा रहा। उसके सिर पर कई राज्यों में मिलाकर करोड़ों का इनाम घोषित था। हिड़मा पर 2010 में हुई दंतेवाड़ा बस हमला, 2013 का झीरम घाटी कांड, कई आईईडी विस्फ़ोट, पुलिस बलों पर हमले और ग्रामीणों की हत्या सहित सैकड़ों संगीन आरोप थे।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का लोगों से अभिवादन

देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने की अपील की...

बेंगलुरु/ एजेंसी

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बृहस्पतिवार को लोगों से 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की ज़िम्मेदारी लेने की अपील की. ग्रुप कैप्टन शुक्ला भारतीय वायुसेना के अधिकारी एवं परीक्षण पायलट हैं. उन्हें और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को 'गगनयान' मिशन के तहत अंतरिक्ष में भेजने के लिए चयनित और प्रशिक्षित किया गया है. गगनयान को 2027 में अंतरिक्ष में भेजे जाने की उम्मीद है.'बेंगलुरु टेक समिट' में एक सभा को संबोधित करते हुए शुक्ला ने कहा, विकसित भारत-

2047 के हमारे सपने को पूरा करने के लिए, आप सभी से मेरा बस यही आग्रह है कि आप ज़िम्मेदारी लें और सोचें कि 'मैं भारत को 2047 में यहां से एक विकसित देश कैसे बना सकता हूं'. उन्होंने कहा, भारत जल्द ही अपने नागरिकों को देश की धरती से एक भारतीय कैप्सूल (अंतरिक्ष यान) में भारतीय प्रक्षेपण रॉकेट के जरिये अंतरिक्ष में भेजेगा. शुक्ला ने कहा, और इसके लिए, आप सभी को एक साथ आना होगा और योगदान देना होगा. आपको सोचना होगा कि आप क्या कर सकते हैं, आप इसे कैसे कर सकते हैं ङ्क एक साधारण 'स्ट्रॉ' बनाने से लेकर एक जटिल जीवन रक्षक प्रणाली बनाने तक भविष्य की ओर बढ़ने के लिए सब कुछ जरूरी है. शुक्ला ने लोगों को याद दिलाया कि भारत में पहले से ही 300 से अधिक स्टार्टअप हैं जो अंतरिक्ष के क्षेत्र में सक्रियता से काम कर रहे हैं.उनके अनुसार, स्टार्टअप की संख्या तेजी से बढ़ने वाली है।

नीतीश के रिकॉर्ड पर तेजस्वी की बधाई, नई सरकार से बताई ये बड़ी उम्मीद

नीतीश कुमार के लगातार पांचवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार लोगों की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी। बिहार के मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों के शपथ ग्रहण के तुरंत बाद तेजस्वी ने ट्वीट किया कि नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। बिहार सरकार के सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएँ जिन्होंने मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली है। राजद नेता ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि नई सरकार ज़िम्मेदार नागरिकों की आकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

चुनाव आयोग पर बरसीं ममता

एसआईआर अभ्यास में गंभीर खामियां,बताया खतरनाक.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को राज्य में मतदाता सूचियों के संरचनात्मक रूप से अस्वस्थ विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास पर अपनी चिंता व्यक्त की। 20 नवंबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लिखे एक पत्र में मुख्यमंत्री बनर्जी ने दावा किया कि प्रशिक्षण में गंभीर कमियाँ, अनिवार्य दस्तावेज़ीकरण पर स्पष्टता का अभाव और अपनी आजीविका के व्यस्त कार्यक्रमों के बीच मतदाताओं से मिलना लगभग

असंभव होने के कारण यह अभ्यास संरचनात्मक रूप से अस्वस्थ हो गया है। मुख्यमंत्री ने चल रहे एसआईआर के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की, जिसमें अपर्याप्त योजना, प्रशिक्षण की कमी और अवास्तविक समयसीमा का हवाला दिया गया, जो प्रक्रिया की विश्वसनीयता से समझौता कर रहे हैं। पत्र में लिखा है कि मैंने बार-बार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और जिस तरह से इसे लोगों पर थोपा जा रहा है, उसके संबंध में अपनी गंभीर चिंताओं को उठाया है। अब, मैं आपको यह लिखने के लिए बाध्य हूँ क्योंकि चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी स्थिति बेहद चिंताजनक स्तर पर पहुँच गई है। जिस तरह से यह प्रक्रिया अधिकारियों और नागरिकों पर थोपी जा रही है, वह न केवल अनियोजित और अव्यवस्थित है।

विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी ने ली डिप्टी सीएम पद की शपथ

नीतीश कुमार ने 10 वीं बार मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

पटना/ एजेंसी

बिहार चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद अब सूबे में नई सरकार के गठन की बारी है. नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. नीतीश कुमार के साथ ही नई सरकार के 26 मंत्रियों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली. बीजेपी के कोटे से सरकार में दो डिप्टी सीएम बनाए गए हैं- सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा. नीतीश कैबिनेट में बीजेपी से 14, जेडीयू से आठ, एलजेपीआर से दो, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा से एक-एक मंत्री बनाए गए हैं. नीतीश मंत्रिमंडल में शपथ लेने वाले मंत्रियों में मंगल पाण्डेय, अशोक चौधरी, लेशी सिंह, श्रेयसी सिंह, रमा निषाद, मदन सहनी भी शामिल हैं. जीतनराम मांझी की पार्टी से उनके बेटे संतोष कुमार

सुमन और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी से उनके बेटे दीपक प्रकाश ने मंत्री पद की शपथ ली है. नीतीश कुमार के शपथग्रहण में मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के साथ एनडीए की सरकार वाले राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद थे. पटना में बिहार सरकार के मंत्री और लोजपा (रामविलास) नेता संजय कुमार सिंह ने कहा कि यह उनके लिए बहुत गर्व का पल है. उन्होंने बताया कि एक ही जगह पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कई केंद्रीय मंत्री और दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मिलने का अवसर मिला, जो अपने आप में बहुत बड़ा सम्मान है. संजय कुमार सिंह ने कहा कि उनके नेता चिराग पासवान ने उन पर भरोसा जताया और मंत्री बनने का मौका दिया. उन्होंने इसके लिए चिराग पासवान का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे. भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने एनडीए की नयी सरकार में शामिल सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने कहा कि नयी सरकार में शामिल सभी मंत्रियों को मेरी तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं और अभिनंदन। उन्होंने कहा कि बिहारवासियों के लिए आज गौरव का दिन है।

बिहार में न सिर्फ नयी सरकार का गठन हुआ है, बल्कि विकास की नयी गति का आगाज हुआ है। नयी सरकार विकास का नया कीर्तिमान स्थापित करेगी।

S.R. PHARMACY COLLEGE

Village Chikhli, Near Gaytri Palace Dist- Durg (C.G.) Ph: 7880102605

D. Pharm. Management Quota Admission - 2025

Available Seats Under Management Quota

COURSE	UR_MQ	OBC_MQ	SC_MQ	ST_MQ
D. PHARM.	04 SEATS	01 SEATS	01 SEATS	03 SEATS

Details of Seats are available on

webportal https://sclm.cgstate.gov.in/DTEOnline2025/Index.aspx

Eligible Candidates may apply latest by 22/11/2025 Admission as per rules [2025] of DTE NAya Raipur Chhattisgarh

बैंक मैनेजर ने जुए सट्टे में उड़ा दी वसूली की राशि 47 ग्राहकों से वसूले साढ़े 4 लाख राशि का गबन

उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक का पूर्व मैनेजर गिरफ्तार

डोंगरगांव नगर। नगर में बहुचर्चित उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक का मैनेजर भूषण सिन्हा को आखिरकार पुलिस ने गबन मामले गिरफ्तार कर लिया है। पूर्व मैनेजर पर बैंक के 47 ग्राहकों से वसूले 4,60,036 लाख रूपये गबन करने के आरोप हैं। पुलिस ने शाखा के वर्तमान मैनेजर की शिकायत पर पूर्व मैनेजर सिन्हा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस द्वारा आधिकारिक जानकारी मुताबिक आवेदक डिकेश्वर साहू पिता मेहत्तरू साहू, 29 वर्ष, निवासी इंदामरा, थाना लालबाग राजनांदगांव, शाखा प्रबंधक न्यू ऑपर्चुनिटी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक डोगरगांव के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि पूर्व ब्रांच मैनेजर भूषण कुमार पिता सीताराम सिन्हा, 25 वर्ष, साकिन वार्ड नं 05 जामड़ी, थाना डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव छग को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

सिन्हा के द्वारा ब्रांच मैनेजर रहते हुए 01 जनवरी 2024 से 20 अगस्त 2024 तक बैंक के कुल 47 ग्राहकों से कुल 4,60,036 रूपये किश्त की राशि एकत्र कर वसूली की गई रकम को ग्राहक के ऋण कार्ड खाता व मोबाईल एप्लीकेशन में अपडेट नही किया है। पूर्व मैनेजर द्वारा ग्राहकों से वसूली की राशि को स्वयं ही गबन कर हेराफेरी कर ग्राहको व बैंक के साथ धोखाधडी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, एएसपी राहुल देव शर्मा व एसडीओपी दिलीप सिसोदिया के दिशानिर्देश में थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णा पाटले द्वारा टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी की जा रही थी, इसी दरम्यान आरोपी भूषण सिन्हा के पचपेड़ी नाका रायपुर में होने की मुखबिर सूचना मिलने पर पुलिस ने तस्दीक करते हुए आरोपी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की।

आरोपी ने अय्याशी में उड़ा दिए रुपये

आरोपी के मेमोरेण्डम कथन मुताबिक उन्होंने ग्राहकों से वसुली की राशि ग्राहकों के खाता में एंट्री ना करके अपने निजी ऐश ओ आराम जैसे जुए सट्टे व खानपान में खर्च कर देने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र 358/25 धारा 420, 409 भादवि की कार्रवाई कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कार्रवाई में टीआई कृष्णा पाटले, सउनि अनिल यादव, आरक्षक अजमेर खान, आशाराम ध्रुव व भगत सिदार ने भूमिका निभाई।

कबीरधाम के 1.14 लाख किसानों को मिला 22.81 करोड़, वेबकास्टिंग से जुड़े किसानों ने जताया आभार

कवर्धा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देशभर के किसानों को आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान करने की दिशा में आज एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु के कोयम्बटूर से राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान 21वीं किस्त के रूप में 18 हजार करोड़ रुपये की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की। राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम से कबीरधाम जिले के किसान कृषि विज्ञान केंद्र, कवर्धा में आयोजित वेबकास्टिंग के माध्यम से लाइव जुड़े। जिले में कुल 1 लाख 14 हजार किसानों के खातों में 22.81 करोड़ रुपये की राशि सफलतापूर्वक जमा हुई, जिससे किसानों में उत्साह का वातावरण रहा।

कृषि विज्ञान केंद्र में गरिमामयी कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र में हुए स्थानीय कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उप संचालक कृषि अमित कुमार मोहंती और कृषि विभाग के अधिकारी भी मंचासीन रहे। बड़ी संख्या में किसान कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्य अतिथि ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना किसानों की आर्थिक सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुकी है। केंद्र सरकार का उददेश्य किसानों की आय बढ़ाना, खेती को लाभकारी बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।

किसानों को मिली तकनीकी जानकारी

कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने खरीफ और रबी फसलों के लिए उन्नत कृषि तकनीकों, जल प्रबंधन, आधुनिक खेती के उपकरणों, तथा विभिन्न कृषि योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

किसानों ने जताया आभार

किसानों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नियमित किस्त मिलने से खेती में निवेश की क्षमता बढ़ती है और आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिलता है।

बेमेतरा में जिला पंचायत सीईओ के यहां ईओडब्ल्यू पहुंचे

बेमेतरा। बेमेतरा में जिला पंचायत सीईओ के यहां ईओडब्ल्यू के अधिकारी पहुंचे जिसकी कार्यवाही समाचार लिखे जाने तक जारी है। बुधवार को सुबह करीब आठ बजे के आस पास दो वाहनों से ईओडब्ल्यू के अधिकारी न्यू सर्किट हाउस के पीछे स्थित अफसर कालोनी में जिला पंचायत के सीईओ प्रेमलता पद्माकर के घर दबिश दी गई और अपनी कार्यवाही शुरू किया। इस दौरान सीईओ पद्माकर के वाहन चालकों को भी अपना मोबाइल बंद करने का निर्देश दिया गया। चूंकि जिला पंचायत सीईओ के लिए आरक्षित मकान में अभी मरम्मत कार्य चल रहा है, इसलिए सीईओ पद्माकर वहीं पर दुसरे भवन को आवास के रूप में उपयोग किया जा रहा है। उस भवन के सामने सुरक्षा कानून बनाये रखने लिए बेमेतरा जिला के पुलिस बल को तैनात किया गया है। समाचार लिखे जाने तक अधिकृत रूप से किसी अधिकारी द्वारा कोई बयान नहीं आया है बता दें जिला पंचायत सीईओ पद्माकर बेमेतरा जिला पंचायत सीईओ के रूप में बीते 6 महीने पहले ही बेमेतरा जिला में पदस्थ हुई है।

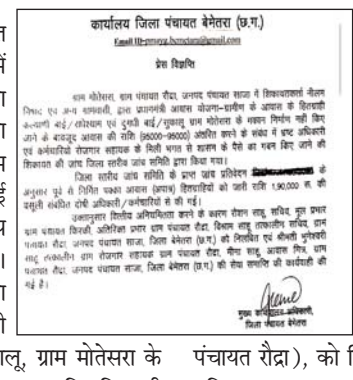

प्रधानमंत्री आवास योजना में वित्तीय गड़बड़ी उजागर

ग्राम रौद्रा के सचिव और कर्मचारियों पर निलंबन व सेवा समाप्ति की कार्रवाई

कार्यालय जिला पंचायत बेमेतरा (छ.ग.)
Email-[illegible]@gmail.com
प्रेस विज्ञप्ति
[illegible]
मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा

बेमेतरा। ग्राम मोतेसरा, ग्राम पंचायत रौद्रा (जनपद पंचायत साजा) में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत गंभीर वित्तीय अनियमितता सामने आई है। शिकायतकर्ता नीलम निषाद सहित ग्रामीणों द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर जिला स्तरीय जांच समिति ने मामले की जांच की। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आवास हितग्राही कल्याणी बाई/राधेश्याम एवं दुगधी बाई/सुकालू, ग्राम मोतेसरा के मकान निर्माण न होने के बावजूद प्रति हितग्राही ?95,000-?95,000 की राशि जारी कर दी गई। आरोप था कि यह राशि भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारियों व रोजगार सहायक की मिलीभगत से बिना निर्माण कार्य के ही अंतरित कर शासन की राशि का गबन किया गया। जिला स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में पाया गया कि दोनों हितग्राही पहले से ही पक्के मकान वाले अपात्र थे। इसके बावजूद उन्हें कुल ?1,90,000 की राशि जारी की गई। जांच में दोषी पाए गए अधिकारी एवं कर्मचारियों से यह संपूर्ण राशि की वसूली कर ली गई है। कड़ी कार्रवाई करते हुये सचिव निलंबित, रोजगार सहायक व आवास मित्र की सेवा समाप्त कि गई हैं। वित्तीय अनियमितताओं को गंभीर मानते हुए जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। रोशन साहू, सचिव (मूल प्रभार–ग्राम पंचायत किरकी, अतिरिक्त प्रभार–ग्राम पंचायत रौद्रा), को निलंबित किया गया।

विश्राम साहू, तत्कालीन सचिव, ग्राम पंचायत रौद्रा, जनपद पंचायत साजा, को भी निलंबित किया गया। भुनेश्वरी साहू, तत्कालीन ग्राम रोजगार सहायक, ग्राम पंचायत रौद्रा, की सेवा समाप्त की गई। मीना साहू, आवास मित्र, ग्राम पंचायत रौद्रा, की भी सेवा समाप्ति की कार्यवाही की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भविष्य में ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

शीतलपानी के नर्मदा साहू पर कसा शिकंजा संयुक्त टीम ने पकड़ा 50 बोरी अवैध धान

कवर्धा। जिले में अवैध धान परिवहन पर प्रशासनिक शिकंजा और भी कड़ा हो गया है। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश पर चल रहे सतत अभियान के तहत संयुक्त जांच दल ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम शीतलपानी निवासी नर्मदा साहू के कब्जे से 50 बोरी अवैध धान जब्त किया। जानकारी के अनुसार, संयुक्त टीम ने शीतलपानी क्षेत्र में संदिग्ध वाहन को रोककर जांच की। परिवहनकर्ता नर्मदा साहू से धान परिवहन से जुड़े वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वह एक भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। नियमों का खुला उल्लंघन पाए जाने पर टीम ने तत्काल धान जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की। इस कार्रवाई में संचालनालय खाद्य, रायपुर के सहायक संचालक पंकज सेतपाल और खाद्य निरीक्षक गौरव, राजस्व तथा मंडी विभाग की टीम शामिल रही। विशेष रूप से रेंगाखार नायब तहसीलदार साहू एवं उनकी टीम की सतत मॉनिटरिंग और त्वरित प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण रही।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने स्पष्ट किया है कि खरीदी सीजन के दौरान जिले की सीमाओं पर विशेष चौकसी बढ़ा दी गई है और अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत अभियान लगातार जारी रहेगा।

नगर पंचायत उपाध्यक्ष रोहित गुप्ता को शोक

डोंगरगांव नगर। नगर के प्रतिष्ठित गुप्ता परिवार के सदस्य रामशरण गुप्ता जबलपुर वाले का 18 नवंबर को दोपहर साढ़े 3 बजे दुखद देहावसान हो गया। वे लगभग 92 वर्ष के थे। स्व गुप्ता नगर पंचायत उपाध्यक्ष रोहित गुप्ता के नाना थे। वे अपने पीछे बेटी, नाती, बहु व नातिनों सहित भरापूरा परिवार पीछे छोड़ गए हैं। स्व. रामशरण की अंतिम यात्रा 19 नवंबर को स्थानीय साकेतधाम समीप गुप्ता निवास से दोपहर 12 बजे निकाली गई। अंत्येष्टि स्थानीय मुक्तिधाम में विधिवत की गई। मुखाग्नि नाती रोहित ने दी। अंतिम यात्रा में परिजनों के अलावा सामाजिकजन, जनप्रतिनिधिगण, समाजसेवीजन, व्यापारीगण सहित स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

सीएसपी दल्लीराजहरा डॉ. चित्रा वर्मा के नेतृत्व में डौंडी में जागरूकता कार्यक्रम

दल्लीराजहरा। सीएसपी दल्लीराजहरा डॉ. चित्रा वर्मा के नेतृत्व में शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डौंडी में साइबर अपराध, बाल सुरक्षा, नशामुक्ति एवं यातायात नियमों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। साइबर जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से निम्न बिंदुओं पर जानकारी दी गई। ऑनलाइन वित्तीय ठगी, सोशल मीडिया अपराध, फर्जी लोन ऐप्स तथा डिजिटल अरेस्ट जैसे नए साइबर फ्रॉड से बचाव। संदिग्ध लिंक, एप्लीकेशन एवं अनजान कॉल से सतर्क रहने की सलाह दी गई। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर 1930 पर कॉल कर तत्काल रिपोर्ट दर्ज कराने तथा साइबर क्राइम पोर्टल पर स्वयं शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी। महिला सुरक्षा एवं बाल संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी प्रदान की गई, जिनमें दहेज निषेध अधिनियम घरेलू हिंसा अधिनियम कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम, साथ ही विद्यार्थियों को आवश्यक हेल्पलाइन नंबर 1091 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा) बताये गए। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन जीने, महिलाओं के प्रति सम्मान रखने, तथा यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। जिले में आयोजित ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम समाज में सुरक्षा, संवेदनशीलता एवं साइबर साक्षरता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस कार्यक्रम में महिला सेल से एएसआई सीता गोस्वामी, महिला आरक्षक मीरा मंडावी, साइबर सेल से प्रधान आरक्षक रुमलाल चुरेंद्र, आरक्षक आकाश सोनी, विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में बीमा कंपनी के वकील बैंक फाईनेंस कंपनी अधिकारी के साथ बैठक

बेमेतरा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की अध्यक्षता में एवं देवेन्द्र कुमार, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, साक्षी दीक्षित, द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, मोहित सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा उपस्थिति में आर्बिट्रेशन, क्लेम/बीमा कंपनी के अधिवक्तागण एवं बैंक से फाईनेंस कंपनी के अधिकारीगण के साथ आगामी नेशनल लोक अदालत के संबंध में बैठक आयोजित किया गया। उक्त बैठक में अध्यक्ष द्वारा आर्बिट्रेशन, क्लेम / बीमा कंपनी के लंबित प्रकरणों में पक्षकारों से प्री-सिटिंग कर आपसी सुलह एवं समझौते से अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किये जाने के संबंध में चर्चा किया गया। बैंक, फाईनेंस कंपनी के अधिकारीगण को अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के लिए उनके समय सीमा पर प्रस्तुतिकरण पंजीयन, नोटिस तामिली एवं उनके साथ सौहाद्रपूर्ण रूप से राजीनामा करने पर चर्चा की गई। उक्त बैठक में आर्बिट्रेशन, क्लेम, बीमा कंपनी

सैगोना सेवा सहकारी समिति में मनाया गया पीएम किसान उत्सव दिवस

बेमेतरा। 72 में अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह और पीएम किसान उत्सव दिवस का आयोजन कार्यक्रम में बेमेतरा जिला सहकारी संघ मर्यादित बेमेतरा और सेवा सहकारी समिति सैगोना के संयुक्त तत्वाधान में समिति प्रांगण में आयोजित किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी भगवान बलराम और भारत माता के तैल्यचित्र में माल्यार्पण और पूजन कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवा सहकारी समिति सैगोना प्राधिकृत अध्यक्ष युवराज साहू ने 72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह कार्यक्रम की उपस्थित किसानों एवं सहकारी जनों को बधाई देते हुए कहा कि सहकारिता का इतिहास बहुत ही पुराना है केंद्र में सहकारिता मंत्रालय के गठन होने के पश्चात सहकारिता के विकास और सहकारी जनों के विकास में तेजी आई है जब से केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के अध्यक्ष अमित शाह बने हैं तब से सेवा सहकारी समितियो और अन्य समितियो में कंप्यूटरीकृत कार्य होने लगे हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान योजना के अंतर्गत पीएम किसान उत्सव दिवस 19 नवंबर को मनाया गया जिसमें किसानों के खाते में 2000 किसान सम्मान निधि का भुगतान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जावेगा। जिला सहकारी संघ मर्यादित बेमेतरा प्राधिकृत अधिकारी विनय कुमार जेहवास ने सहकारिता और सहकारी योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए किसान बन्धु को बताया कि सहकारी समिति बनाकर कैसे एकजुट होकर आर्थिक रूप से मजबूत हो सकते हैं। जिसके बारे में प्रशिक्षक सृजन धर दीवान द्वारा बताया गया की पर्यटन स्वास्थ्य हरित ऊर्जा प्लेटफार्म को ऑप्स किचन को ऑप्स और किसी भी अन्य अकल्पनीय क्षेत्र जैसे उभरते क्षेत्रों में सहकारी समितियो का विस्तार को लेकर वृहद चर्चा किया। समिति के प्रभारी समिति प्रबंधक पंकज वर्मा ने उपस्थित अधिकारी कर्मचारी और किसान बन्धुओं का आभार व्यक्त किया। उक्त अवसर पर प्राधिकृत अध्यक्ष युवराज साहू,जिला सहकारी संघ प्राधिकृत अधिकारी विनय कुमार जेहोआश, जगदीश सिन्हा बसंत साहू राजकुमार साहू दिनेश साहू कुलदीप सिन्हा जैनेंद्र वर्मा मंगलू गुप्ता प्यारेलाल पटेल ढेलु राम साहु, मौथरी साहू, दसोदिया बाई साहू, सहायक समिति प्रबंधक पंकज वर्मा पुरुषोत्तम सिन्हा पंचराम सिन्हा किरण वर्मा गोवर्धन सिन्हा खूबचंद साहू, हरीश साहू, नितेश विश्वकर्मा, किसान बंधु सहित समस्त हैमाल संघ उपस्थित रहे।।

जिले में 417 ग्राम पंचायत एवं 8 नगरीय निकाय बाल विवाह मुक्त घोषित किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ

बेमेतरा। महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी निर्देशों के तहत बेमेतरा जिले में बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों की घोषणा की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शासन के निर्देशानुसार, ऐसे ग्राम पंचायत एवं नगरीय क्षेत्र जहां पिछले दो वर्षों में एक भी बाल विवाह प्रकरण दर्ज नहीं हुआ, उन्हें बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाना अनिवार्य है। जिला बेमेतरा में कुल 425 ग्राम पंचायतों में से 417 ग्राम पंचायतों के द्वारा यह प्रमाणित किया गया है कि उनके क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में कोई बाल विवाह प्रकरण नहीं हुआ है। इसी प्रकार जिले के 11 नगरीय निकायों में से 8 नगरीय निकाय/नगर पंचायतों ने भी नियमानुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए बाल विवाह प्रकरणों के न होने की पुष्टि की है। इन सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित करते हुए प्रमाण पत्र जारी किए जाने की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। यह प्रमाण पत्र बाल विवाह रोकथाम के क्षेत्र में समुदाय, पंचायत प्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, महिला समूहों और स्थानीय प्रशासन की संयुक्त प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा।

आपत्तियाँ दर्ज करने हेतु 7 दिनों की समय-सीमा

यदि जिले के किसी भी नागरिक, संस्था या हितधारक को इस सूची के संबंध में कोई आपत्ति हो या किसी ग्राम पंचायत/नगर निकाय में बाल विवाह का कोई प्रकरण संज्ञान में हो, तो वे पत्र जारी होने की तिथि से 7 दिवस के भीतर संबंधित प्रमाणित दस्तावेजों के साथ अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बेमेतरा (छ.ग.) मे कार्यालयीन समय प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक आवेदन जमा की जा सकेंगी। बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत/नगर निकाय की ये घोषणा न केवल औपचारिक प्रक्रिया है, बल्कि यह जिले में जागरूकता, सामाजिक सहयोग और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का सकारात्मक परिणाम भी है। सामाजिक संस्थाओं, महिला समूहों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने बेमेतरा जिले को बाल विवाह रोकथाम में मजबूत स्थिति में स्थापित किया है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी भी प्रकार की गलत जानकारी या छिपाए गए तथ्य हों, तो उन्हें समय पर साझा करें ताकि सूची को पूरी तरह सत्यापित एवं पारदर्शी बनाया जा सके। जिला प्रशासन का यह प्रयास बाल संरक्षण और बाल अधिकारों को सुदृढ़ करने की दिशा में सराहनीय कदम है।

बंग समाज ने विधायक अनिला भेड़िया एवं कलेक्टर, एसपी से मुलाकात कर शहर की हालातों के बारे में चर्चा की

दल्लीराजहरा। बंग समाज के द्वारा विधायक अनिला भेड़िया के साथ साथ जिला कलेक्टर, एसपी., सीएसपी से मुलाकात कर शहर की हालातों के बारे की चर्चा की गई। बताया गया कि बंग समाज के एक प्रतिनिधी मंडल के सदस्यों के द्वारा समाज और शहर में हो रहे अनेकों विषयों को सामने रखते हुए जिले के प्रमुख लोगों से मुलाकात कर उन विषयों पर चर्चा कर सामाजिक और धार्मिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही साथ बंग समाज के द्वारा प्रकाशित स्मारिका सोविनियर 2025 की प्रति सभी अतिथियों को भेट की गई, साथ ही साथ बंग समाज के द्वारा डौंडी लोहारा विधायक अनिला भेड़िया के साथ साथ जिला कलेक्टर दिव्या मिश्रा, जिला पुलिस अधीक्षक उमेश पटेल, सीएसपी दल्लीराजहरा चित्रा वर्मा से मुलाकात की और सामाजिक तथा शहरी स्तर में चर्चा हुई। चर्चा में बंग समाज के सदस्यों ने कहा कि शहर में ट्रैफिक व्यवस्था में ध्यान देना बहुत जरूरी है हर जहां सामाजिक स्थान मंदिरों, स्कूलों और मार्केट के एरिया में ट्रैफिक व्यवस्था अच्छी होनी जरूरी है। साथ में सामाजिक और धार्मिक स्थानों जैसे कालीबाड़ी (भीष्म रथ) व दुर्गाबाड़ी के स्थानों में रात्रि कालीन होने वाले असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाकर शहर में शांति व्यवस्था बनाने की अपील की है और नशाखोरों से समाज और शहर में जो अशांति का वातावरण बना हुआ है। इस माहौल से शहर को बाहर निकलकर और एक स्वच्छ शांति व्यवस्था बनाए रखने की चर्चा हुई। जिला पुलिस अधीक्षक उमेश पटेल ने सारे विषयों को गंभीरता पूर्वक लेते हुए नगर में शान्ति व्यवस्था व ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार करने की बात कही और साथ में सभी चौक चौराहे में सी सी कैमरा हमेशा चालू कंडीशन में रहे इसकी मांग की। बंग समाज के आमंत्रण में कालीबाड़ी आने का आश्वासन दिया बंग समाज के द्वारा नगर और समाज की विकास की उम्मीद के साथ सभी का हृदय से धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में रति राम कोसमा का योगदान रहा। बंग समाज के साथ मिलकर उन्होंने नगर के विकास के लिए चर्चा की। इस दौरान गगन पांड्या बंग समाज सचिव कनक बैनर्जी, गौतम बेरा, गौतम बोस, अशोक आईच भी शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

कृषक लक्ष्मण, छगन और खोरबाहरा को धान विक्रय में नहीं हुई परेशानी, आसानी से धान बेच पाए

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन और किसान-कल्याण की प्राथमिकता को धरातल पर उतारती हुई राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी कृषक उन्नति योजना आज किसानों के लिए वास्तविक परिवर्तन का माध्यम बन रही है। बेहतर समर्थन मूल्य, पारदर्शी एवं सुविधाजनक उपार्जन व्यवस्था, तथा टोकन प्रणाली जैसे सुधारों ने धान विक्रय प्रक्रिया को सहज, तेज और भरोसेमंद बनाया है। जिसका प्रत्यक्ष लाभ सीमांत कृषक से लेकर बड़े किसानों तक समान रूप से पहुंच रहा है और कृषक अधिक उत्साह और विश्वास के साथ उत्पादन बढ़ा रहे हैं। महासमुंद जिला के विकासखंड के ग्राम मोंगरा निवासी लक्ष्मण ध्रुव अपने 54 कट्टा धान का विक्रय करने ग्रामीण सेवा सहकारी समिति झालखम्हरिया उपार्जन केंद्र पहुंचे। उन्होंने बताया कि वे 3 दिन पूर्व टोकन कटवाया है, जिससे उन्हें समय पर धान विक्रय की सुविधा मिली। शासन की पारदर्शी टोकन व्यवस्था और त्वरित पंजीयन ने उनकी प्रक्रिया को सहज बनाया। उनके पास एक एकड़ खेती है। इसी तरह मोंगरा निवासी खोरबहारा साहू ने बताया कि वे अपने 42 डिसमिल कृषि भूमि में 8.80 क्विंटल धान उत्पादन किया है। उन्होंने सतत देखभाल और शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ लेते हुए अपने फसल का उत्पादन किया है। उन्होंने बताया कि धान बेचने में उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। वहीं मोंगरा निवासी छगन लाल साहू ने अपने पिताजी पुनीत राम साहू के नाम पंजीकृत 10 एकड़ कृषि भूमि में इस वर्ष 250 कट्टा धान का उपार्जन किया है। सरकार द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से धान खरीदी और समर्थन मूल्य 3100 रुपए प्रति क्विंटल देने का निर्णय किसानों के लिए एक बड़ी राहत है। मोंगरा निवासी लक्ष्मण ध्रुव, खोरबाहरा साहू और छगन लाल साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

किसान छबीलाल बारी ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी नीति की सराहना

रायपुर। सरायपाली के गाँव राजाडीह के मेहनतकश किसान छबीलाल बारी आज गर्व और संतोष से भरे हुए हैं। आज उनके 176 क्विंटल धान का टोकन कट चुका है, और यह पल उनके लिए सिर्फ धान उपार्जन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की मेहनत का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह नीति किसानों के हितों की रक्षा और हमारे भविष्य को सुरक्षित और समृद्ध भी बनाता है। पूर्ण पारदर्शी प्रकिया से धान खरीदी धान उपार्जन केंद्र जंगलबेड़ा, सराईपाली में पूरा कार्य सुचारू और पारदर्शी ढंग से हुआ। किसान छबीलाल बारी बताते हैं कि इस वर्ष राज्य शासन की धान खरीदी नीति ने किसानों को नई ताकत दी है।वे कहते हैं समय पर पूरी प्रक्रिया में एक भी परेशानी नहीं हुई। समय पर टोकन मिला और केंद्र में व्यवस्था बहुत अच्छी थी। धान खरीदी 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किसान छबीलाल बारी विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। जिन्होंने प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से धान खरीदी की और समर्थन मूल्य 3100 रुपए प्रति क्विंटल देने का निर्णय किसानों के लिए एक बड़ी राहत है। किसान के मजबूत होने से प्रदेश मजबूत होगा छबीलाल कहते हैं कि सरकार की इस नीति से हम जैसे किसान मजबूत होंगे द्य उन्होंने कहा कि किसान के मजबूत होने से प्रदेश मजबूत होगा द्य समर्थन मूल्य मिलने से हमारी आय बढ़ेगी और हम अपने परिवार का भविष्य बेहतर बना पाएंगे।

पक्के मुर्गी शेड ने बढ़ाई हितग्राही की आय,आजीविका हुई सुदृढ़

रायपुर। मनरेगा के अंतर्गत निर्मित शेड हितग्राही के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का उदाहरण है, मुर्गी पालन का कार्य आजीविका संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध हो रहा है। मनरेगा योजना के अंतर्गत पक्का मुर्गी शेड निर्माण से हितग्राही भूलू की आय में वृद्धि हुई है तथा मुर्गियों के बिट को जैविक खाद के रूप में उपयोग कर वे कृषि कार्य में भी लाभ प्राप्त कर रहे हैं। हितग्राही भूलू की आय में हुई वृद्धि बलौदाबाजार जिले के ग्राम पंचायत कोदवा में हितग्राही भूलू को मनरेगा से 1.13 लाख की लागत से पक्का मुर्गी शेड निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया।हितग्राही द्वारा पूर्व से ही मुर्गी पालन का कार्य किया जा रहा था, परंतु अस्थायी शेड होने के कारण बरसात एवं गर्मी में मुर्गियों की सुरक्षा, दाना-संरक्षण तथा उत्पादन क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित होती थी। पक्के शेड के निर्माण से अब मुर्गियों के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध हुआ है। शेड निर्माण के उपरांत हितग्राही ने 500 चूजे 25 रुपए प्रति नग की दर से खरीदे। इनमें से 60 नग 600 रुपए प्रति नग की दर से विक्रय किया तथा लगभग 150ङ्क200 चूजे वर्तमान में अच्छी वृद्धि पर हैं। अब तक हितग्राही को इस कार्य से ?36,000 की आय प्राप्त हो चुकी है। पक्के शेड के कारण चूजों की मृत्युदर में उल्लेखनीय कमी आई है। मुर्गियों के बिट को जैविक खाद के रूप में उपयोग हितग्राही भूलु ने बताया कि शेड निर्माण से उनकी आय में वृद्धि हुई है।

वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध

प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों को देश में सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा

- मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री रूप साय सलाम और उपाध्यक्ष श्री यज्ञदत्त शर्मा के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नए दायित्वों के लिए अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में हुए शामिल मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में श्री सलाम को एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे वे अपनी संवेदनशीलता, अनुभव और दक्षता के साथ उत्कृष्ट रूप से निभाएंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि श्री सलाम स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और समुदाय की समस्याओं, अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं को भली-भांति समझते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रदेश में निवासरत जनजातीय समाज के उत्थान को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। साथ ही केंद्र में अलग जनजातीय मंत्रालय की स्थापना से समुदाय के विकास को नई गति मिली। उन्होंने कहा कि हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी भावना और

संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 'धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना' तथा 'पीएम जनमन योजना' लागू की, जिनके माध्यम से जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों को देश में सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है। वनोपजों के वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वनवासी समुदाय की आय में वृद्धि हो और उन्हें वास्तविक आर्थिक मजबूती प्राप्त हो। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि यह प्रदेश का सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ के मुखिया श्री विष्णु देव साय स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और वनवासी भाई-बहनों की पीड़ा, कठिनाइयों और आकांक्षाओं को गहराई से समझते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की 32ब आबादी जनजातीय है तथा 44ब क्षेत्र वनाच्छादित है, इसलिए वनोपज ही वनवासियों की आजीविका का प्रमुख स्रोत है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता को 'हरा सोना' कहा जाता है और उसके अनुरूप मूल्य देने का कार्य मुख्यमंत्री श्री साय ने किया है। तेंदूपत्ता का प्रति मानक बोरा मूल्य 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने न केवल चरण पादुका योजना को पुन: प्रारंभ किया है, बल्कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वनोपज संग्राहक परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रभावी कदम लगातार उठाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, नान के चेयरमैन श्री संजय श्रीवास्तव, योग आयोग के अध्यक्ष श्री रूप नारायण सिन्हा, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम, वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सलीम राज, वनबल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव सहित लघु वनोपज संघ के सदस्य तथा प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पहुंचे वनोपज संग्राहक उपस्थित थे।

पारिवारिक विवाद पर भाई की कुल्हाड़ी मारकर हत्या

रायपुर। संवाददाता

जिले के कवर्धा थाना क्षेत्र के रामनगर में दिनांक 17 नवम्बर को घरेलू विवाद के चलते अपने बड़े भाई की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या करने वाले आरोपी का पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मामले की प्रार्थिया अमरिका बंजारे, निवासी वार्ड क्रमांक 01 रामनगर, कवर्धा द्वारा थाना कवर्धा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसके दो पुत्रों विनोद बंजारे (मृतक) एवं पिन्टू उर्फ श्रवण बंजारे के बीच घरेलू विवाद के कारण झगड़ा हुआ। रिपोर्ट के अनुसार दिनांक 17.11.2025 को शाम लगभग 6 बजे मृतक विनोद एवं आरोपी श्रवण के बीच सब्जी बनाने की बात पर विवाद शुरू हुआ, जो देखते-देखते हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान आरोपी पिन्टू उर्फ श्रवण बंजारे द्वारा घर में रखी कुल्हाड़ी निकालकर अपने बड़े भाई विनोद बंजारे का पीछा किया गया, जिस पर विनोद घर से बाहर भागते हुए पिलारी नहर की ओर गया। आरोपी द्वारा लगातार कुल्हाड़ी से हमला कर मृतक के दाहिने कान के नीचे, माथे एवं गर्दन पर गंभीर चोटें पहुंचाई गईं। मृतक चोट लगने से जमीन पर गिर पड़ा, जिसके बाद आरोपी उसे नहर की ओर घसीट ले गया तथा वहीं पुन: कुल्हाड़ी एवं लकड़ी के बैठ से प्राणघातक वार किया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मामले में थाना कवर्धा में धारा 103(1) भा.न्याय संहिता के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान घटना स्थल निरीक्षण, शव पंचनामा, गवाहों के कथन तथा आरोपी का मेमोरेण्डम लिया गया। अपने मेमोरेण्डम कथन में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार किया तथा घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, लकड़ी का बैठ और पहने हुए कपड़े छिपाकर रखने की जानकारी दी। आरोपी की निशानदेही पर यह सभी वस्तुएं बरामद कर विधिवत जप्त किया गया। आरोपी पिन्टू उर्फ श्रवण बंजारे पिता स्व. मेलाराम बंजारे उम्र 25 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 1 रामनगर, अरोरा बिल्डिंग के पास कवर्धा को दिनांक 18.11.2025 को गिरफ्तार किया गया।

सारागाँव देवरी स्टेशन को चौथी रेल लाइन से जोड़ने का कार्य हुआ पूरा

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं समयबद्ध रेल सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए अधोसंरचना विकास में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। क्षमता आवर्धन के कार्यों को तीव्र गति से क्रियान्वित किया जा रहा है, जिससे परिचालन की दक्षता बढ़ने के साथ-साथ यात्री सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। इसी क्रम में,बिलासपुर झारसुगुड़ा चौथी रेल लाइन परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की एक महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में प्रगति पर है। यह व्यस्त रेल मार्ग उत्तर और दक्षिण भारत को जोड़ने वाली प्रमुख कड़ी है, जहाँ ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने हेतु नई लाइनों का निर्माण कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। वर्तमान में 206 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी है।

आवासीय की पूरी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध

अनुराग सिंह देव ने आवास मेला के लोगो का किया अनावरण.....

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के नागरिकों को आवासीय योजनाओं की पूरी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा राज्य स्तरीय 'आवास मेला 2025' का आयोजन 23, 24 और 25 नवंबर को रायपुर के शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में किया जा रहा है। इस मेले के लोगो (प्रतीक चिन्ह) का अनावरण आज गृह निर्माण मंडल मुख्यालय में मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव द्वारा किया गया। इस अवसर पर हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त अवनीश शरण सहित मंडल के अधिकारी-कर्मचारी प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

लोगो अनावरण के बाद अध्यक्ष सिंह देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और सुलभ आवास उपलब्ध कराना मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 'आवास मेला 2025' इसी दिशा में एक सार्थक पहल है, जहां मंडल की विभिन्न योजनाएँ और संपत्तियाँ एक ही मंच पर आम जनता के सामने प्रस्तुत की जाएंगी। अध्यक्ष सिंह देव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में गृह निर्माण मंडल द्वारा प्रदेशभर में लगभग रु. 2000 करोड़ की नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया जा रहा है। उनके नेतृत्व में हाउसिंग बोर्ड योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित कर पा रहा है। आवास मेला 2025 में आगंतुकों के लिए कई सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। नागरिकों को सुविधा प्रदान करने हेतु आवंटी पोर्टल का भी शुभारंभ होगा। मेले में हितग्राही मात्र 1 प्रतिशत राशि जमा कर भवन बुक करा सकेंगे। रायपुर, नवा रायपुर एवं आसपास की परियोजनाओं के साइट विज़िट की विशेष व्यवस्था रहेगी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला नाबालिग व सहयोगी गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

नाबालिक लड़की को शादी का झांसा देकर भगा ले जाने तथा उसके साथ दुष्कर्म करने वाले नाबालिग आरोपी तथा सहयोगी उसके जीजा को जशपुर पुलिस ने उड़ीसा से गिरफ्तार किया है। मामला दुलदुला थानाक्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 19.09.25 को थाना दुलदुला क्षेत्रांतर्गत एक ग्राम के प्रार्थी ने थाना दुलदुला में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि, दिनांक 17.09.25 को उसकी 14 वर्षीय नाबालिक बेटी, सुबह लगभग 08 बजे के आसपास, घर से निकली थी, उस दौरान प्रार्थी को लगा कि उसकी बेटी किसी काम से पड़ोस में गई होगी, फिर प्रार्थी काम से खेत की ओर चला गया तथा प्रार्थी की पत्नी भी गांव में हो रही मितानिन की मीटिंग में चली गई थी, प्रार्थी जब दोपहर बाद लगभग दो बजे खेत से वापस अपने घर आया, तब भी उसकी बेटी घर में नहीं थी, जिस पर प्रार्थी व उनके परिजनों के द्वारा , नाबालिक बेटी को आस पड़ोस, रिश्तेदारों इत्यादि में पता साजी किया गया, कहीं पता नहीं चला, उसे संदेह है कि उसकी नाबालिक बेटी को कोई व्यक्ति बहला फुसलाकर भगा कर ले गया है। चूंकि मामला नाबालिक बालिका से संबंधित था, अत: मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल पुलिस के द्वारा थाना में बी एन एस की धारा 137(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया, साथ ही नाबालिक बालिका की पातासाजी की जाने लगी। इसी दौरान पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मुखबिर की सूचना व पुलिस की टेक्निकल टीम व परिजनों के सहयोग से दिनांक 20.09.25 को ही नाबालिक बालिका को उड़ीसा राज्य से सुंदरगढ़ जिला क्षेत्र से दस्तयाब कर, वापस लाया गया था। पुलिस की पूछताछ पर नाबालिक बालिका ने बताया था कि रामरेखा मेला के द्वारा , उसका परिचय, थाना दुलदुला क्षेत्रांतर्गत एक ग्राम के 16 वर्षीय विधि से संघर्षरत बालक से हुआ था, उनके मध्य मोबाइल से बातचीत होती थी। 09.02.25 को नाबालिक बालिका के गांव में एक मुंडन का कार्यक्रम था, जहां विधि से संघर्षरत बालक भी आया हुआ था, उसी रात्रि को विधि से संघर्षरत बालक के द्वारा नाबालिक बालिका के साथ प्यार व शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया गया था, फिर मई 2025 में नाबालिक बालिका, पड़ोस के गांव में एक शादी में गई हुई थी।

मैत्री बाग में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ बीएसपी का 40वाँ कब-बुलबुल उत्सव

रायपुर। भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग एवं भारत स्काउट गाइड जिला संघ भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में मैत्री बाग में 40वाँ कबङ्कबुलबुल उत्सव उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। मुख्य जिला आयुक्त एवं महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल, सेक्टरङ्क6 को इस वर्ष के उत्सव में विजेता घोषित किया गया। जिला आयुक्त (गाइड) व प्राचार्या, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टरङ्क10, सुमिता सरकार ने स्वागत उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह मंच बच्चों में रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक है। बीएसपी की विभिन्न शालाओं के लगभग 200 कब-बुलबुलों ने विविध प्रतियोगिताओं में भाग लिया। ध्वजारोहण व प्रार्थना के बाद बच्चों ने सामूहिक नृत्य, चित्रकला, विविध वेशभूषा, गंध-पहचान, स्वाद-पहचान और गाँठ-बाँधो जैसी स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। सामूहिक नृत्य में प्रकृति, पशु-पक्षी और परियों पर आधारित प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं। बुलबुल-ट्री प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने विद्यालय-निर्मित सुसज्जित बुलबुल-ट्री के साथ घेरा गीत प्रस्तुत किया।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में तेजी,किसानों के चेहरों पर संतोष और भरोसे की चमक

- ऑनलाइन टोकन से किसान फागू चंद्राकर को मिली सहूलियत, 68 क्विंटल धान बेचा—जताई खुशी

रायपुर/ संवाददाता

कवर्धा जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य इस वर्ष अत्यंत सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से जारी है। खरीदी केंद्रों में किसानों की सक्रिय उपस्थिति और उत्साह यह दर्शाता है कि शासन द्वारा अपनाई गई नई व्यवस्था उनके लिए राहत और विश्वास का स्रोत बन रही है। कवर्धा के ग्राम ज्ञानपुर के किसान फागू चंद्राकर ने धान खरीदी की इस नई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि इस वर्ष खरीदी प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक सरल और सुलभ हो गई है। उन्होंने बताया कि उन्होंने लगभग 68 क्विंटल धान बिना किसी बाधा के बेच दिया। धान खरीदी शुरू होने से पहले ही उन्होंने कटाई-मिंटाई का कार्य पूरा कर लिया था। उन्होंने बताया कि पहले सोसायटी में टोकन कटवाने के लिए लंबी लाइन में लगना पड़ता था, बार-बार जाना पड़ता था। अब मोबाइल से ही टोकन मिल जाता है, हम जैसे बुजुर्ग किसानों के लिए यह बहुत बड़ी राहत है। फागू चंद्राकर, जो लगभग साढ़े 3 एकड़ में खेती करते हैं, ने बताया कि ऑनलाइन टोकन प्रणाली से धान बेचने में न केवल समय की बचत होती है, बल्कि धान विक्रय के बाद भुगतान भी शीघ्र मिलता है। उन्होंने कहा की सरकार की पारदर्शी व्यवस्था से हमें धान का सही मूल्य मिलता है और तुरंत भुगतान से घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य ने उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की किसान कल्याण को प्राथमिकता अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई दे रही है। कृषक उन्नति योजना, बेहतर समर्थन मूल्य नीति, मोबाइल आधारित टोकन प्रणाली और पारदर्शी उपार्जन व्यवस्था ने किसानों की धान विक्रय प्रक्रिया को न केवल सरल बनाया है, बल्कि उनके बीच भरोसा और सुरक्षा की भावना भी बढ़ाई है। विकासखंड मोहला के ग्राम तेलीटोला निवासी किसान अकबर सिंह बंदे ने गोटाटोला धान खरीदी केंद्र में 72 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि सीएससी चॉइस सेंटर गोटाटोला में टोकन कटवाने से लेकर धान तौल और भुगतान तक पूरी प्रक्रिया सरल, सुगम और व्यवस्थित रही। श्री अकबर सिंह ने कहा कि उचित समर्थन मूल्य मिलने से न सिर्फउनकी आय बढ़ी है, बल्कि खेती में निवेश के प्रति किसानों का आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सरकार की नीति और पारदर्शी खरीदी व्यवस्था ने किसानों को वास्तविक लाभ पहुंचाया है।

29.90 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने 29.90 करोड़ के कार्यों का किया गया लोकार्पण-भूमिपूजन

- विकास कार्यों से बदल रहा मुंगेली का स्वरूप : श्री साव

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज मुंगेली नगर पालिका में 29 करोड़ 90 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने मुंगेली के आगर खेल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और लोक निर्माण विभाग के कुल 17 करोड़ 55 लाख 12 हजार रुपए के 91 कार्यों का लोकार्पण और 12 करोड़ 41 लाख 79 हजार रुपए

के 23 कार्यों का भूमिपूजन किया। विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अधोसंरचना मद के तहत परशुराम चौक में सौंदर्यीकरण एवं मूर्ति स्थापना, वार्ड-11 व वार्ड-20 में सामुदायिक भवन निर्माण तथा वार्ड-13 में प्रसाधन सहित बस प्रतीक्षालय का लोकार्पण किया। उन्होंने अधोसंरचना व 15वें वित्त आयोग मद से 76 सीसी सड़कों, आरसीसी नालियों, बाउंड्रीवाल निर्माण, विद्युतीकरण एवं अन्य विकास कार्यों का भी लोकार्पण किया। श्री साव ने बालानी चौक में माता परमेश्वरी चौक सौंदर्यीकरण, अधिकारी-कर्मचारी आवास निर्माण, मां परमेश्वरी चौक एवं देवांगन मुक्तिधाम में हाईमास्ट लाइट स्थापना, भक्त माता कर्मा चौक निर्माण एवं मूर्ति स्थापना, साहूपारा में सामुदायिक भवन निर्माण, निरंजन प्रसाद केशरवानी बाल वाटिका जीर्णोद्धार, आगर खेल परिसर का जीर्णोद्धार, पड़ाव चौक में महाराणा प्रताप की कांस्य प्रतिमा स्थापना के साथ ही विप्र समाज के सामुदायिक भवन के निर्माण का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि मुंगेली के विकास कार्यों के लिए पैसों की कमी नहीं होगी। यहां के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए सड़क, नाली, पानी सहित सभी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

संपादकीय

दुनिया को हैरान कर रहा शेख हसीना को फांसी देने वाला ऐलान

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुई हिंसा के मामले में दोषी ठहराया गया है और उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई है। यह फैसला ढाका के इंटरनैशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल में सुनाया गया, जहां मुकदमा चलाने के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसा लगता है कि इस सुनवाई का मकसद न्याय दिलाना नहीं, बल्कि बदला लेना था। इस फैसले से बांग्लादेश की राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता और बढ़ने की आशंका है। पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी फांसी की सजा मिली है। इस फैसले पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं, खासकर इसलिए क्योंकि आरोपियों को ठीक से अपना पक्ष रखने का मौका नहीं मिला। आरोपपत्र इसी साल जून में दाखिल हुआ था और सिर्फ पांच महीने में इतने गंभीर मामले का फैसला आ गया। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का कहना है कि ट्रिब्यूनल में केवल 20 सुनवाई हुईं। यह बहुत कम समय है इतने बड़े मामले को निपटाने के लिए। बांग्लादेश इस समय एक अंतरिम सरकार के अधीन है, जिसका नेतृत्व मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं। सेना का समर्थन होने के बावजूद, वे देश में स्थिरता लाने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। उनके सत्ता संभालने के बाद से अल्पसंख्यकों पर 2,000 से ज्यादा हमले हुए हैं। कानून-व्यवस्था की हालत इतनी खराब है कि शेख हसीना पर फैसले से पहले ढाका में 'शूट एंड साइट' (देखते ही गोली मारने) का आदेश जारी करना पड़ा। इसके बावजूद, हिंसक घटनाएं रुकी नहीं। ऐसा लगता है कि कट्टरपंथियों के दबाव में इतिहास को नजरअंदाज किया गया और भारत विरोधी रुख अपनाते हुए पाकिस्तान से हाथ मिला लिया गया। मोहम्मद यूनुस ने देश को एक बहुत ही मुश्किल मोड़ पर ला खड़ा किया है। छात्र आंदोलन का सपना था कि देश में लोगों द्वारा चुनी हुई एक मजबूत सरकार बने, लेकिन यह सपना अब तक पूरा नहीं हुआ है। मोहम्मद यूनुस ने अगले साल फरवरी में चुनाव कराने का ऐलान किया है। हालांकि, इस चुनाव की विश्वसनीयता तब तक संदेह के घेरे में रहेगी, जब तक अवामी लीग सहित सभी राजनीतिक दलों को चुनाव में भाग लेने का समान अवसर नहीं मिलता। फिलहाल, अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा हुआ है। शेख हसीना को फांसी की सजा का ऐलान बांग्लादेश की मौजूदा बड़ी समस्याओं से ध्यान भटकाने की कोशिश लग रही है। युवाओं में बेचैनी बढ़ रही है।

भारतीय राजनीति में कांग्रेस (आई) एक मध्यम मार्गी पार्टी समझी जाती है, जो दक्षिणपंथी और वामपंथी विचारधारा से सर्वथा भिन्न प्रतीत होती आई है। लेकिन अभूतपूर्व बिहार विजय के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उसे 'मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस' (एमसीसी- बिहार का एक खूंखार नक्सली संगठन) कहना अनायास नहीं है, बल्कि उसके समकालीन सियासी विचलन पर एक करारा राजनीतिक प्रहार समझा जा रहा है। देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कांग्रेस की इस दुःखती रग को दबाने के स्पष्ट सियासी मायने हैं, जिससे सबक लेकर जड़वत हो चली कांग्रेस अपना अहिल्या उद्धार कर सकती है। इससे कांग्रेस मुक्त भारत का स्वप्न भी साकार नहीं हो पाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की हार्दिक इच्छा है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाए। वह पाकिस्तान के जनक 'मुस्लिम लीग' और बिहार की नक्सल संस्था माओवादी कोआर्डिनेशन कमेटी (एमसीसी) की ट्रू कॉपी बनने से परहेज करे। क्योंकि इससे देश विरोधी आतंकवादियों और नक्सलियों को बल मिलेगा।

पीएम मोदी द्वारा कांग्रेस की दुःखती रग को दबाने के सियासी मायने

(कमलेश पांडेय)

ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि 'बिटवीन द लाइन्स' से उसका विचलन या भटकाव कब और कैसे शुरू हुआ? इससे कांग्रेस पार्टी को लाभ मिला या घाटा हुआ! क्योंकि कांग्रेस का वैचारिक पतन भारतीय राजनीति के साथ-साथ खुद उसके अस्तित्व के लिए भी एक गम्भीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। नेहरू के वैश्विक सूझबूझ, इंदिरा की राष्ट्रीय पराक्रम और राजीव के टेक्नोक्रेटिक सौम्यता से जो पार्टी सिंचित हुई हो, उसपर ऐसा सियासी लांछन चिंता और चिंतन दोनों का विषय है।

ऐसा इसलिए कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, देश की लौह महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और देश के युवा प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कतिपय राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, वैश्विक व क्षेत्रीय दर्शन की छाप परवर्ती बाजपेयी और मोदी सरकार पर भी कुछेक मायनों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। यही उनकी नीतिगत प्रासंगिकता है जिसे कदापि झुठलाया नहीं जा सकता।

तीखा सवाल है कि एक विदेशी व्यक्ति 'ए ओ ह्यूम' द्वारा अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ जनांकांक्षाओं के 'सेफ्टी वॉल्व' के रूप में स्थापित कांग्रेस पार्टी, आखिर में आजादी के बाद भी ब्रिटिशर्स की 'फूट डालो और शासन करो' वाली खतरनाक जातिवादी व सांप्रदायिक नीतियों की अनुगामी कब और कैसे बन गई? जबकि तल्ख सच्चाई है कि मुस्लिम लीग के सांप्रदायिक आह्वान, वामपंथियों के वर्गवादी षड्यंत्र और समाजवादियों के जातीय आह्वान से कांग्रेस नेतृत्व को समय-समय पर न केवल दो-चार होना पड़ा, बल्कि गम्भीर सियासी चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा है। इसी ऊहापोह में वह पतनोन्मुख भी हो गई।

अहम सवाल है कि राजनीति की आड़ में देश व समाज में सक्रिय सांप्रदायिक ताकतों, जातिवादी सूरमाओं, वर्गवादी षड्यंत्रकारियों, क्षेत्रवादियों की अनदेखी कांग्रेस ने क्यों की?

वहीं, अपराधियों, नक्सलियों व आतंकवादियों के खिलाफ निर्णायक मुहिम छेड़ते वक्त उसके रणनीतिकारों द्वारा भेदभाव क्यों किया गया? चाहे हिंदुओं के हिस्से वाले हिन्दुस्तान पर पंथनिरपेक्षता (धर्मनिरपेक्षता) थोपने की बात हो, या फिर समग्र व संतुलित विकास की जगह तुष्टीकरण की सियासत को शह देने की बात हो, क्या यह सब महज सियासी बहुमत की प्राप्ति के लिए किया गया, जो प्रवृत्ति आज

देश व समाज के समक्ष एक नया नासूर प्रतीत हो रही है।

एक और अहम सवाल यह है कि विदेशी ताकतों के समक्ष घुटने क्यों टेके गए? रोटी, कपड़ा और मकान के नारे तो दिए गए, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य व सम्मान की बात क्यों दरकिनार कर दी गई। कोढ़ में खाज यह कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर एक नहीं बल्कि दो-तीन बार प्रतिबंध तो लगाया गया? लेकिन मुस्लिम लीग के क्लोन बन चुके अतिवादी संगठनों को ढील क्यों दी गई। सिख आतंकवादियों के खिलाफ जितनी सख्ती दिखाई गई, वैसी ही सख्ती मुस्लिम आतंकवादियों के खिलाफ क्यों नहीं दिखाई गई?

यही नहीं, ब्रेक के बाद होने वाले सांप्रदायिक दंगों और जातीय संघर्षों के खिलाफ कड़े कदम क्यों नहीं उठाए गए? कानूनी विसंगतियों को दूर करने के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए। ऐसे बहुत से सवाल हैं, जिनका उत्तर हर प्रबुद्ध भारतीय चाहेगा, क्योंकि इन्हीं से जुड़े अदूरदर्शिता भरे टालमटोल वाले निर्णयों में कांग्रेस के लगातार कमजोर होते जाने के संकेत छिपे हैं। हद तो यह कि जिन वामपंथियों, समाजवादियों ने कांग्रेस को कमजोर किया, फिर उन्हीं के साथ गठबंधन करके अपना बचा-खुचा जनाधार क्यों सौंप दिया गया?

इस प्रकार भारतीय राजनीति में कांग्रेस के पतन के सियासी प्रभाव को व्यापक और दूरगामी बताया जा रहा है, जिसमें नेतृत्व की कमजोरी, आंतरिक कलह, गठबंधन अस्थिरता, क्षेत्रीय दलों के उभार और भाजपा के सशक्त संगठन का बड़ा योगदान है। मेरे विचार से कांग्रेस के पतन के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं-

पहला, पार्टी के नेतृत्व का संकट- कांग्रेस में लंबे समय से स्पष्ट और प्रभावशाली नेतृत्व की कमी देखी गई है। चाहे पंडित जवाहर लाल नेहरू हों, इंदिरा गांधी हों, या राजीव गांधी हों, सबने प्रतिभाशाली नेताओं को दरकिनार किया और चापलूसों को बढ़ावा दिया। सूबाई नेतृत्व को कभी भी जमने का मौका नहीं दिया। बार बार राज्यों के मुख्यमंत्री बदले गए। इनके बाद वाले शीर्ष नेताओं यथा- सोनिया गांधी, राहुल गांधी ने असहमति से निबटने और पार्टी के भीतर गुटबाजी के लगातार बढ़ने को थामने का कोई मुकम्मल इंतजाम नहीं किया। खैर, सोनिया गांधी ने तो कुछ समझदारी भी दिखाई, लेकिन राहुल गांधी-प्रियंका गांधी अपनी पार्टी को मजबूती प्रदान करने में लगातार विफल साबित हुए हैं। इसलिए उन्हें खुद आत्ममंथन करना चाहिए।

दूसरा, पार्टी के नेताओं की आंतरिक कलह- कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के असंतोष और पार्टी छोड़ने जैसी घटनाएँ निरंतर पार्टी की आधार को कमजोर करती रही हैं। अपनी स्थापना के 4-5 दशक बाद ही पार्टी गम्भीर मतभेदों की शिकार हो गई। महात्मा गांधी का पक्षधर मिजाज, नेहरू जी की स्वार्थपरकता, इंदिरा जी की हठधर्मिता और राजीव गांधी की सियासी अनुभवहीनता से बहुत सारे गलत निर्णय हुए, जो देर सबेर कांग्रेस व उसके विभिन्न स्तरीय नेतृत्व पर भारी पड़े। वैसे भी संगठन विस्तार और विचारधारा के स्तर पर मतभेद अक्सर सामने आते रहते हैं, लेकिन उनपर पारदर्शी बहस की हमेशा कमी महसूस हुई। यही वजह है कि कांग्रेस कई बार टूटी भी, लेकिन इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी ने उनका बखूबी मुकाबला किया और खुद को मुख्यधारा वाली कांग्रेस साबित किया। लेकिन राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अपने पुराने नेताओं को पार्टी से जोड़े रखने में विफल रहे। जबकि उन्हें चाहिए कि वह पुराने, उम्रदराज और वफादार नेताओं का मानमनौव्वल करके भी पार्टी से उन्हें जोड़े रखें। अपनी पार्टी के अनुभवी सहयोगियों को भी पार्टी से जोड़े रखें, जबकि वे सबको रोकने में विफल रहे। इससे नेतृत्व संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं, युवा नेतृत्व भी नहीं पनप पा रहा है। यह कांग्रेस का सबसे बड़ा रणनीतिक संकट है।

कांग्रेस की उपर्युक्त नीतिगत लापरवाही का सियासी असर और परिणाम यह हुआ कि भाजपा का वर्चस्व लगातार बढ़ता चला गया। पहले भाजपा ने समाजवादियों, फिर दलितवादियों से समझौते किए, जिससे कांग्रेस को कमजोर करने में वह सफल रही। चूंकि कांग्रेस के कमजोर होने का सबसे बड़ा फायदा भाजपा को मिला है, जिसने अवसर का लाभ उठाकर राष्ट्रीय राजनीति पर अपना प्रभुत्व जमा लिया। भाजपा ने भी समय के साथ धर्मनिरपेक्ष समाजवादियों-दलितवादियों को ठेंगा दिखाया और गठबंधन की राजनीति करके राज्यीय और राष्ट्रीय राजनीति में काफी मजबूत हो गई। मंडल और कमंडल की राजनीति उसके मध्यम मार्ग पर इतनी भारी पड़ी कि राज्यों में मण्डलवादियों ने और केंद्र में कमण्डलवादियों ने अपना वर्चस्व जमा लिया। फिर दोनों का घालमेल करके कांग्रेस व उसके समर्थकों को भी अप्रासंगिक बना दिया। इसलिए मेरी निजी राय है कि कांग्रेस खुद को जातिवादी और सम्प्रदायवादी सियासत से दूर रखे। वह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान की राजनीति करे। भावनात्मक राजनीति से दूरी बनाए। मूल मुद्दों पर होमवर्क करे और फिर सही समय का इंतजार करे।

कांग्रेस की कमजोरी से गठबंधन राजनीति की नई मजबूरी पैदा हो गई। आलम यह है कि कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर शासन के लिए अक्सर क्षेत्रीय दलों से गठजोड़ करना पड़ता है, जो अक्सर अस्थिर साबित होते हैं। ऐसा करने से कांग्रेस के प्रोग्रेसिव एजेंडे में भी कमी आती है। लिहाजा, कांग्रेस की सकारात्मक और प्रगतिशील नीति का अभाव इसे सत्ताधारी विकल्प के रूप में कमजोर बना देता है। परिणाम यह होता है कि उसका वोट बैंक बिखर जाता है। यह कड़वा सच है कि पार्टी का पारंपरिक वोट बैंक यथा- सवर्ण, दलित और अल्पसंख्यक, अब विभाजित होकर अन्य पार्टियों की तरफ चला गया है, जिससे चुनावी परिदृश्य में कांग्रेस लगातार पिछड़ती जा रही है। उसके समक्ष अब भविष्य की चुनौती समुपस्थित है। इसलिए नेतृत्व में स्थिरता लाना, संगठन को मजबूत बनाना, युवा और नए वर्गों को साथ जोड़ना और स्पष्ट नीति साधना कांग्रेस के पुनरुत्थान के लिए आवश्यक है। वहीं, क्षेत्रीय दलों से प्रतिस्पर्धा तथा भाजपा के संगठनात्मक स्तर का मुकाबला करना भी बड़ी चुनौती है। कुल मिलाकर, कांग्रेस के पतन का सियासी असर भारत की राजनीति को बहुदलीय और प्रतिस्पर्धात्मक बना देता है, जिससे सत्ता तथा नीति निर्धारण के स्तर पर निरंतर बदलाव आते हैं। उम्मीद है कि कांग्रेस इससे सबक लेगी। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

विकसित भारत के साथ कदम मिलाते हुए बढ़ेगा यह राज्य

(संजय मयूख)

बिहार की जनता ने इस चुनाव में जो जनादेश दिया है, उसने इस राज्य की राजनीतिक दिशा स्पष्ट कर दी है। वोटरों ने दिखा दिया कि वे स्थिरता, जवाबदेही और विकास को प्राथमिकता देने वाले शासन के साथ खड़े हैं। यह जनादेश केवल चुनावी जीत नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर जनता के विश्वास की पुनर्पुष्टि है और नीतीश कुमार द्वारा एनडीए सरकार के ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता और महिलाओं) के जीवन-स्तर को ऊपर उठाने के 'विजन' और काम पर जनता की मुहर है।

बिहार की जनता ने एक बार फिर यह साफ कर दिया कि राज्य को आगे बढ़ाने वाली दिशा वही है, जिसमें केंद्र और राज्य मिलकर विकास को प्राथमिकता देते हैं। पिछले दशक में बिहार ने जिस तेजी से परिवर्तन देखा है, वह किसी साधारण प्रशासनिक सुधार की कहानी नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रीय नेतृत्व और नीतीश कुमार के प्रशासनिक अनुभव के संयोजन ने बिहार में एक ऐसा मॉडल तैयार किया, जिसमें बुनियादी ढांचे से लेकर सामाजिक कल्याण, उद्योग से लेकर शिक्षा व स्वास्थ्य तक हर क्षेत्र में निरंतर सुधार हुआ। लगातार जारी यह परिवर्तन एनडीए के पक्ष में इतना मजबूत जनाधार तैयार करने का सबसे बड़ा कारण है।

बिहार में बुनियादी ढांचा एक बड़ी समस्या हुआ करता था, पर एनडीए के नेतृत्व में यह क्षेत्र सबसे मजबूत साबित हुआ। आज यह बदलाव आम नागरिक के अनुभव का हिस्सा है। एम्स (पटना)-दीघा एलिवेटेड रोड, पटना-बक्सर हाईवे, पटना-गया मार्ग और कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल जैसी परियोजनाओं ने राज्य की 'कनेक्टिविटी' को पूरी तरह बदल दिया है। इससे व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। मुजफ्फरपुर-दरभंगा कॉरिडोर और सीतामढ़ी लिंक रोड जैसी परियोजनाओं ने क्षेत्रीय स्तर पर भी परिवहन को सरल बनाया है। इन परियोजनाओं का असल प्रभाव यह पड़ा है कि लोग अब अपने जीवन में विकास की वास्तविक अनुभूति कर रहे हैं। वे जानते हैं कि सड़कें सिर्फ ढांचा नहीं, बल्कि अवसरों का मार्ग हैं।

रेलवे के विकास में भी बिहार को उसी रफ्तार से लाभ मिला है। वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन, स्टेशनों का पुनर्विकास व ट्रैक के विद्युतीकरण ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाई और उद्योग के लिए लॉजिस्टिक क्षमता मजबूत की। स्पष्ट है, रेलवे क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी की आधुनिक भारत की दृष्टि का सर्वाधिक लाभ बिहार को मिला। इसने बिहार को देश के बाकी हिस्सों के साथ अधिक मजबूती से जोड़ दिया, जिसका सीधा असर व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और रोजगार संभावनाओं पर पड़ा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव भी एनडीए के प्रति जनता के विश्वास का बड़ा कारण बने। एम्स के रूप में पटना में उन्नत इलाज का केंद्र और पूर्णिया, मधेपुरा, बेतिया, नालंदा, वैशाली व छपरा में बन रहे मेडिकल कॉलेजों ने जिले-जिले में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया है। आयुष्मान भारत की सहायता से लाखों गरीब परिवार आर्थिक सुरक्षा पा सके। कृषि में सुधार एनडीए सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। कोसी-मेची लिंक परियोजना, सोन नहर के आधुनिकीकरण, मृदा परीक्षण, मशीनरी और प्रधानमंत्री मोदी की कृषि दृष्टि का लाभ सीधे बिहार के गांवों और किसानों तक पहुंचा है। इन पहलों ने न केवल किसानों की आय बढ़ाई, बल्कि खेती को अनिश्चितताओं से भी काफी हद तक मुक्त किया है। इसी तरह, औद्योगिक क्षेत्र में एनडीए सरकार ने जिस नीति पर काम किया, उसने राज्य में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाए।

बिहार 2047 के विकसित भारत की यात्रा में अपनी भूमिका को गंभीरता से समझ रहा है और एनडीए का नेतृत्व यही दिशा सुनिश्चित करता है। इस जीत का संदेश उत्सव नहीं, जिम्मेदारी है। जिम्मेदारी यह कि विकास की गति और बढ़े व शासन का हर कदम जनता के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लेकर आए। (लेखक राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख व प्रवक्ता, भाजपा है) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

समाजवाद से दूरी ने कहीं का नहीं छोड़ा

(उमेश चतुर्वेदी)

बिहार में एनडीए की जीत को अपने-अपने नजरिए से देखा और विश्लेषित किया जा रहा है। बिहार में एनडीए की जीत के पीछे किसी को चुनाव आयोग की मिलीभगत दिख रही है तो किसी को सत्ता का दुरूपयोग तो कोई इसे भीतरघात के रूप में देख रहा है। लेकिन किसी ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि बिहार के पूरे प्रचार अभियान में सत्ता के दावेदार विपक्षी गठबंधन ने कितनी बार कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया, लोहिया की सप्त क्रांति की बात छोड़िए, कितनी बार जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति की चर्चा हुई? यह सवाल इसलिए जरूरी और वाजिब लगता है, क्योंकि महागठबंधन की अगुआई जो राष्ट्रीय जनता दल कर रहा है या कर रहा था, घोषित तौर पर लालू प्रसाद यादव उसके प्रमुख हैं। जो नहीं जानते हैं, उनके लिए यह बताना जरूरी है कि लालू यादव जिस आंदोलन की उपज माने जाते हैं, उस जेपी आंदोलन के अगुआ जयप्रकाश नारायण रहे हैं। जयप्रकाश नारायण कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से थे और लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल घोषित तौर पर समाजवादी विचारधारा वाला दल है।

जनता दल से अलग राष्ट्रीय जनता दल गठित करते वक्त ही तय हो गया था कि समाजवादी दर्शन की खोल में राष्ट्रीय जनता दल परिवारवाद का परचम लहराने की कोशिश करेगा। उसने लहराया भी, लेकिन उसने गांधी, लोहिया और जयप्रकाश के नाम का मुखौटा धारण किए रखा। 2025 का विधानसभा चुनाव पहला ऐसा चुनाव रहा, जिसमें ना तो टीवी और अखबारी चर्चाओं में इस दल ने लोहिया, जयप्रकाश

या कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया, ना ही मैदानी चुनावी सभाओं में इस पर फोकस किया गया। राष्ट्रीय जनता दल का टेलीविजन चैनलो पर पक्ष रखने के लिए तीन महिलाएं आगे कर दी गई। प्रियंका भारती, कंचना यादव और सारिका पासवान को सौम्य और मृदु मृत्युंजय तिवारी और पढ़ाकू बौद्धिक मनोज झा के मुकाबले तवज्जो दी गई। तीनों महिलाएं बहस कम, बदतमीजी ज्यादा करती दिखीं। उन्हें लगा कि दबंग आवाज में अपनी बात रखेंगे तो वह दूर तक सुनी जाएगी। इन्होंने अपने विपक्षी नेताओं को खुलेआम अपशब्द कहे, उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की। आधुनिक टेलीविजन विमर्श के बड़े और गंभीर चेहरे सुधांशु त्रिवेदी से प्रियंका ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंचना ने तो शुभ्रास्था के साथ सड़क छाप भाषा का इस्तेमाल किया। प्रियंका और कंचना भारतीय शिक्षा व्यवस्था में लालगढ़ के रूप में विख्यात जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्राएं हैं। यह ठीक है कि जेएनयू पढ़ाई का संस्कार तो देता है, लेकिन उसका संकट यह है कि वह भारतीय समाज को वामपंथी चश्मे से देखने और समझने का जबर्दस्ती संस्कार थोप देता है। इसलिए यहां की वामपंथी राजनीति में पगा-डूबा छात्र समाज की हर समस्या के मूल को रामास्वामी पेरियार और महात्मा फुले के वैचारिक दर्शन के ही सहारे ढूंढ़ता है और उनके ही सुझाए अतिवादी विचारों के जरिए उन्हें सुलझाने की समझ विकसित करता है। प्रियंका और कंचना जेएनयू की उसी परंपरा में पगी-डूबी छात्रा हैं, इसलिए वे बिहार के समाज को भी उसी अंदाज में समझ रही थीं और अपने हिसाब से राष्ट्रीय जनता दल को उसी नजरिए से आगे बढ़ा रही थीं। इसका असर यह हुआ कि जिस बिहार की धरती से भारतीय समाजवाद ने राजनीतिक गलियारों तक की सफल यात्रा की थी, जिसके उत्तराधिकारी खुद लालू यादव भी रहे हैं, उस समाजवाद का सार्वजनिक विमर्श में भूले-भटके भी इस्तेमाल नहीं हुआ। जिस कर्पूरी ठाकुर की राजनीति के उत्तराधिकारी लालू रहे, उनका भी नाम नहीं लिया गया। जेपी और लोहिया की तो बात ही और है। सवाल यह है कि लालू की पार्टी का जो कट्टर समर्थक यादव समुदाय है, क्या वह सचमुच पेरियारवादी है, वह फुले के वैचारिक दर्शन को मानता है। पेरियार और फुले जिस ब्राह्मणवाद की कटु आलोचना करते हैं, राजनीति को छोड़ दें तो यादव समाज भी वास्तविक जीवन में उतना ही ब्राह्मणवादी है। वह भी हिंदू है और कई बार तो कथित सवर्ण समाज से भी कहीं ज्यादा हिंदू है। वह भी उसी तरह पूजा-पाठ करता है, उसी तरह धार्मिक है, उसी तरह पारिवारिक संस्कार करता है, जैसा बाकी कथित ब्राह्मणवादी व्यवस्था वाले लोग करते हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या राम मंदिर की आलोचना करना, छठ पूजा पर सवाल उठाना क्या आम यादव समुदाय को स्वीकार्य हो पाया होगा? वैसे राबड़ी देवी ने छठ पूजा छोड़ दी है। लेकिन उनकी छठ पूजा भी कभी बिहार के मीडिया माध्यमों के लिए बड़ी खबर बनी रहती थी। तेजप्रताप को राजद के इस विचलन का पता था, शायद यही वजह है कि उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में अपील कर दी थी कि अब तेजस्वी जी की पत्नी को छठ पूजा का व्रत शुरू कर देना चाहिए। क्योंकि बिहार में सास से बहू छठ पूजा का उत्तराधिकार हासिल करती है। बहरहाल चुनाव नतीजों ने तो बता दिया कि बिहार में विपक्षी गठबंधन जिसे ब्राह्मणवादी व्यवस्था से दूर करने की कोशिश कर रहा था या दूर मान रहा था, वह भी दरअसल उसकी सोच के दूसरे बिंदु पर खड़ा है।

सवाल यह है कि आखिर राष्ट्रीय जनता दल से समाजवाद की विदाई क्यों हुई? इस सवाल का जवाब तलाशना कोई राकेट साइंस नहीं है। वामपंथी वैचारिकी के करीब होने के साथ ही तेजस्वी उस राहुल गांधी के भी करीब हैं, जिन्हें हर समस्या का समाधान वामपंथी सोच में ही नजर आती है। हिंदुत्व का विरोध उनका प्रमुख राजनीतिक दर्शन है। तेजस्वी भी यही कर रहे थे। इसे बढ़ावा देने में उनके सलाहकारों संजय यादव और रमीज ने भरपूर मदद दी है। प्रियंका, कंचना और सारिका जैसी बदमिजाज प्रवक्ताओं को प्रश्रय संजय यादव और रमीज की ही शह पर दिया गया। हर घर में सरकारी नौकरी देने का तेजस्वी के वायदे के पीछे वामपंथी अतिवादी वैचारिकी का ही हाथ रहा, नतीजा सामने है। बिहार की सत्ता छींका की तरह तेजस्वी और राष्ट्रीय जनता दल से दूर हो गई है। पेरियार और फुले की वैचारिकी पर आधारित राष्ट्रीय जनता दल अगर आने वाले दिनों में बिखराव की ओर चल पड़े तो हैरत नहीं होनी चाहिए। पारिवारिक बिखराव तो खैर शुरू हो ही चुका है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं ।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

छत्तीसगढ़ शासन ने युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने 'युवा रत्न सम्मान योजना' की घोषणा की

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाओं, अभिनव कार्यों और सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित करने हेतु ÷युवा रत्न सम्मान÷ योजना शुरू की गई है। इस योजना का उद्देश्य राज्य के प्रतिभावान युवाओं एवं संगठनों को प्रोत्साहित करना तथा उनके कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है।योजना के तहत साधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्यों में योगदान देने के लिए एक युवा और एक स्वैच्छिक संगठन को ÷छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान÷ प्रदान किया जाएगा। चयनित युवा को 2.50 लाख रुपये पुरस्कार राशि दी जाएगी। स्वैच्छिक संगठन को 5.00 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा सामाजिक कार्य, साहित्य, उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कला, संगीत और लोककला जैसे कुल 14 क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रत्येक क्षेत्र के एक युवा को 1 लाख रुपये, पदक, प्रमाण पत्र और शॉल देकर सम्मानित किया जाएगा।विशेष रूप से महिला एवं बाल विकास श्रेणी का पुरस्कार केवल महिलाओं और बालिकाओं को ही प्रदान किया जाएगा। राज्य शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति, संस्था या संगठन को एक ही श्रेणी का युवा रत्न सम्मान दोबारा नहीं दिया जाएगा। पुरस्कार हेतु पात्रता में यह आवश्यक है कि आवेदक छत्तीसगढ़ का मूल निवासी हो तथा उसकी आयु 15 से 29 वर्ष के बीच हो। आयु का निर्धारण उस वित्तीय वर्ष के अनुसार होगा अर्थात 1 अप्रैल को न्यूनतम 15 वर्ष तथा 31 मार्च तक 29 वर्ष से कम आयु होना चाहिए।युवा रत्न सम्मान हेतु इच्छुक युवा एवं संगठन 30 नवम्बर 2025 तक कार्यालयीन समय में कार्यालय खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला नारायणपुर में आवेदन जमा कर सकते हैं। योजना से संबंधित अधिक जानकारी भी इसी कार्यालय से कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है।

जमावाड़ा धान उपार्जन केंद्र में सुगमता और सहयोग की मिसाल, किसानों ने जताई संतुष्टि

जगदलपुर। क्षेत्र के जमावाड़ा धान उपार्जन केंद्र में इस विपणन वर्ष में धान विक्रय के लिए पहुंचे किसानों ने केंद्र की सुविधाओं के साथ ही प्रबंधन की कार्यप्रणाली और कर्मचारियों के व्यवहार पर गहरी संतुष्टि व्यक्त की है। केंद्र में जहां किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं हैं, वहीं किसानों ने विशेष रूप से टोकन कटवाने से लेकर धान तौल करवाने तक की पूरी प्रक्रिया में मिली सुगमता और कर्मचारियों के सहयोगात्मक रवैए की सराहना की है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के किसान कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों के प्रति आभार व्यक्त किया है। जमावाड़ा उपार्जन केंद्र में उपस्थित सभी किसानों ने, विशेषकर लच्छिंदर कश्यप, रामधर नाग और बिहारी लाल ने केंद्र पर कार्यरत कर्मचारियों के व्यवहार को अत्यंत

सहयोगात्मक बताया। किसानों के अनुसार, कर्मचारियों ने न केवल धान की सही तौल सुनिश्चित की, बल्कि टोकन, बारदाना और भुगतान संबंधी प्रक्रियाओं में भी किसानों को पूरा सहयोग दिया। छोटे बंदाम निवासी किसान रामधर नाग ने अपनी 2 एकड़ 80 डिसमिल भूमि से उपजाए गए धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना टोकन कटवाया था और वह 58 क्विंटल धान का विक्रय करने में सफल रहे। रामधर नाग ने अपनी आय का उद्देश्य साझा करते हुए कहा कि उनके तीन बच्चे हैं, जो सभी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने गर्व से बताया कि उनकी एक बेटी कुम्हरावंड स्थित प्रतिष्ठित कृषि महाविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर की छात्रा है, जबकि एक बेटा ग्यारहवीं कक्षा में और दूसरा नौवीं कक्षा में अध्ययनरत है। रामधर ने कहा कि मुझ जैसे छोटे किसानों के लिए अपने बच्चों के उच्च शिक्षा का सपना मुख्यमंत्री के किसान कल्याणकारी योजना के कारण ही संभव हो रहा है। काकरवाड़ा के किसान बिहारी लाल ने अपनी 4 एकड़ 95 डिसमिल कृषि भूमि से उत्पादित धान को केंद्र में विक्रय किया। बिहारी ने बताया कि उन्हें भी टोकन मिला था और वह 82 क्विंटल 80 किलोग्राम धान का विक्रय किया। ज्ञात हो कि खरीफ वर्ष 2025-26 के तहत समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी के तहत बुधवार को बस्तर जिले में 24 किसानों ने लगभग एक हजार दो सौ 90 क्विंटल धान का विक्रय किया। इन चैबीस किसानों में से एक किसान लछिन्दर ने समर्थन मूल्य पर जगदलपुर विकासखंड के धान खरीदी केंद्र जमावाड़ा में धान बेची। लछिन्दर ने बताया कि उसके पास पाँच एकड़ जमीन है, उसने टोकन के लिए लैम्प्स में संपर्क कर कटवाया था, जामावाड़ा धान खरीदी केंद्र में उसने अपने धान की फसल को समर्थन मूल्य पर धान की बिक्री किया, अपने धान को केंद्र में उपलब्ध बारदानों में पलटी करवाकर निर्धारित मात्रा में रखा। केंद्र में अन्य पाँच किसानों ने भी धान को तौल करवाया और केंद्र में खरीदी कार्य सुचारू रूप से जारी रहा। इस खरीदी केंद्र में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति द्वारा किसानों को टोकन कटवाने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिससे किसान अपनी सुविधानुसार निर्धारित समय पर आसानी से धान बेच

मैनेजर की कार में अवैध शराब सप्लाई, भानुप्रतापपुर पुलिस ने अंग्रेजी शराब दुकान के कर्मचारी को दबोचा

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर पुलिस ने अवैध शराब कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अंग्रेजी शराब दुकान के एक कर्मचारी को मैनेजर की कार में शराब की अवैध सप्लाई करते हुए गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शराब दुकान के मैनेजर और कर्मचारियों के संरक्षण में चल रहे अवैध शराब नेटवर्क को उजागर करती है, जिस पर अब आबकारी विभाग की कार्रवाई का इंतज़ार है। गिरफ्तार आरोपी किशन दास मानिकपुरी 32 वर्ष, निवासी पोरोंडी, थाना सिकसोड के द्वारा सफेद रंग की सेंट्रो कार क्रमांक सीजी 04 वी 7213 में बताया जा रहा है कि यह कार शराब दुकान के मैनेजर की है। जब्त अंग्रेजी शराब और बीयर, जिसकी कीमत लगभग 16,780 है।उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन पर, थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख के नेतृत्व में गठित टीम क्षेत्र में जुर्म-जरायम और अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए सक्रिय थी। 18 नवम्बर को कस्बा भ्रमण के दौरान

पुलिस टीम को गोपनीय सूचना मिली कि ग्राम बसंत नगर नारायणपुर में एक व्यक्ति सफेद रंग की सेंट्रो कार में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब रखकर बिक्री के लिए परिवहन कर रहा है। सूचना मिलते ही थाना भानुप्रतापपुर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उक्त स्थान पर दबिश दी और आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा। गवाहों के सामने पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम किशन दास मानिकपुरी बताया, जो कथित तौर पर अंग्रेजी शराब दुकान का कर्मचारी है। आरोपी के कब्जे से सेंट्रो कार और उसमें रखे खाकी रंग के कार्टून से 7 नग सिंबा स्ट्रांग बियर और 26 नग गोल्डन गोवा अंग्रेजी शराब जब्त की गई। जिसका बाजार मूल्य 16,780 रुपए आंका गया है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे अभिरक्षा में ले लिया गया है।

मैनेजर और कर्मचारी संदेह के घेरे में

पुलिस की इस कार्रवाई से यह बात स्पष्ट हो गई है कि आरोपी किशन दास मानिकपुरी नियमित रूप से मैनेजर की कार का इस्तेमाल करके गांव-गांव में शराब की अवैध सप्लाई कर रहा था। यह रोज़ाना हो रही थी। यह खुलासा शराब दुकान के कर्मचारी और मैनेजर की इस अवैध कारोबार में संलिप्तता और संरक्षण को स्पष्ट करता है।

अब आबकारी विभाग पर निगाहें

भानुप्रतापपुर पुलिस क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। हालांकि, अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब शराब दुकान के मैनेजर और कर्मचारी का संरक्षण स्पष्ट हो चुका है, तो आबकारी विभाग इस पूरे नेटवर्क के सरगना पर क्या कार्रवाई करता है। अवैध कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए इन उच्च पदस्थ लोगों पर कार्रवाई करना ज़रूरी है।

किरंदुल चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण सम्पन्न, सांसद महेश कश्यप हुए शामिल

किरंदुल। किरंदुल चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स व्यापारी का द्विवार्षिक चुनाव किरंदुल के छत्तीसगढ़ भवन में 15 सितंबर को मतदान प्रणाली से हुआ था। किरंदुल के इतिहास में पहली बार 15 सितंबर को मतदान प्रणाली से हुए व्यापारियों के चुनाव में नगर में व्यापारियों में खासा उत्साह देखा गया था।मंगलवार एनएमडीसी किरंदुल के मंगल भवन में किरंदुल चेम्बर ऑफ कॉमर्स के नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर सांसद महेश कश्यप ने किरंदुल चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान विशेष अतिथि के रूप में दंतेवाड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी, किरंदुल नगर पालिका अध्यक्ष रूबी सिंह, जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि नवीन विश्वकर्मा, जिला पंचायत सदस्य रामू नेता, पूर्व पालिकाध्यक्ष मृणाल राय, अनिल राजी मोल, अमरीक सिंह, शैलेंद्र सिंह, बचेली पालिकाध्यक्ष राजू जायसवाल, पूर्व पालिकाध्यक्ष बचेली पिंटू राम उईके, बिटीओ के अध्यक्ष मनोज सिंह, ठेकेदार संघ के अध्यक्ष अतुल सिंह, कोडेनार पंचायत सरपंच मीना मंडावी, विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप ने अपने उदबोधन में कहा कि किसी भी व्यापारी या व्यक्ति की ताकत उसके संगठन से ही मजबूत होती है जिसका जीता जागता उदाहरण किरंदुल चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स हैं। आज शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित हो कर व्यापारियों ने अपने संघ के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण भावना को प्रदर्शित किया हैं। जो किरंदुल चैंबर्स ऑफ कॉमर्स की ताकत को दिखलाता हैं। कार्यक्रम के बीच में नगर की सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का भी पुष्प गुच्छ और मेमोंट के साथ सम्मान किया गया। इस दौरान किरंदुल चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष रविंद्र सोनी, विप्लव मल्लिक, बंटी अरोरा, आर सी नाहक, आकाश गोयल, शैलेन्द्र सिंह, अतुल सिंह, राजेंद्र मृणाल राय, विजय सोढ़ी, शेख सगीर, सहित चुनाव संचालन समिति के सदस्य उपस्थित रहें।

किरंदुल गजराज में आरएसएस द्वारा चलाई गई व्यापक गृह संपर्क अभियान

किरंदुल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे देशभर में 20 नवंबर तक गृह संपर्क अभियान चलाया जा रहा हैं। इसके साथ ही हिंदू सम्मेलन आयोजित करने की रूपरेखा तय किया जा रहा हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में किरंदुल वार्ड क्रमांक 03 गजराज कैम्प में स्वयं सेवक घर घर जाकर भारत माता की तैलचित्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष की पुस्तिका,पंच परिवर्तन का पर्चा वितरण किया गया। यह कार्यक्रम बस्ती-मंडल स्तर पर हो रही हैं। गृह संपर्क अभियान में पालको, युवा युवतियों एवं विशिष्टजनों से संपर्क किया जा रहा हैं। गृह संपर्क अभियान में पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व आधारित जीवन और नागरिक कर्तव्य बोध के बारे में लोगों को जागरुक कर रहे हैं। इस अवसर पर नगर संचालक रामकृष्ण बैरागी, मोहित देशमुख, पार्षद देवकी ठाकुर, सूरमा दास, सुधा बाघ, गौरव राय उपस्थित थे।

अनुसूचित जाति वर्ग हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की अंतिम तिथि की सूचना

कांकेर। छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, आई.टी.आई. एवं पॉलिटेक्निक आदि के अध्ययनरत् अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों, जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं। इन संस्थाओं के प्राचार्यों/संस्था प्रमुखों एवं छात्रवृत्ति प्रभारियों को सूचित किया गया है। शिक्षा सत्र वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 बैंक एकाउंट एवं आधार सीडिंग संबंधी संशोधन की कार्यवाही https://postmatric-scholarship.cg.nic.in/ वेबसाइट पर ऑनलाईन माध्यम से की जा रही है। आदिवासी विकास विभाग की सहायक आयुक्त ने बताया कि विद्यार्थियों से पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए शिक्षा सत्र वर्ष 2022-23 एवं 23-24 हेतु 30 नवम्बर एवं वर्ष 2024-25 हेतु 31 दिसम्बर 2025 निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि पश्चात विद्यार्थियों को उक्त शिक्षा सत्र वर्ष के लिए बैंक एकाउंट एवं आधार सीडिंग संबंधी संशोधन हेतु अवसर प्रदाय नहीं किया जाएगा।

शीतलहर से फसलों एवं सब्जियों के बचाव के लिए कृषि विभाग द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देश

दंतेवाड़ा। कृषि विभाग, विभाग से जारी विज्ञप्ति अनुसार शीत ऋतु एवं शीतलहर से फसलों के संरक्षण एवं रखरखाव के संबंध में विभाग द्वारा कृषकों को महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी किए गए हैं इसके अनुसार दंतेवाड़ा जिले में बीते कुछ दिनों से रात्रि तापमान लगातार गिरकर 13ए सी तक पहुँच गया है तथा मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में तापमान 10ए सी तक गिरने की संभावना है। जिले का जैविक कृषि क्षेत्र, विशेषकर एसआरआई पद्धति से धान कटाई के बाद की रबी फसलें एवं सब्जियां, शीतलहर के प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील रहती हैं। इस परिस्थिति को देखते हुए कृषकों द्वारा फसल सुरक्षा के प्रति सावधानी बरतने की जरूरत है। ताकि फसल क्षति को न्यूनतम किया जा सके। शीतलहर से फसलों पर संभावित प्रभाव के अनुरूप पौधों की वृद्धि रुकने एवं कम तापमान में पौधों की कोशिकीय क्रिया धीमी हो जाती है, जिससे बढ़वार रुक जाती है। इसके फलस्वरूप पौधे की पत्तियां का पीली पड़ने व झुलसने के अलावा पत्तियों की ऊपरी सतह पर बर्फ की पतली परत बनने से कोशिकाएँ फट जाती हैं। इसके दुष्प्रभाव में फूल-फलों में गिरावट सब्जी और दलहनी फसलों में फूल झड़ना, दाना भराव रुकना, फल सेटिंग कम होना, गुच्छी, कंद वाली सब्जियों में सड़न, आलू, प्याज, लहसुन जैसे फसलों में ठंड से सॉफ्ट रॉट की समस्या बढ़ जाती है। अतः शीतलहर से बचाव के लिए कृषकों को शाम के समय हल्की सिंचाई अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा गेहूँ, चना, मसूर, सरसों आलू, टमाटर, मिर्च, गोभी, फूलगोभी, पत्ता गोभी खेत में धुआँ करना भी बचाव हेतु उत्तम उपाय है। इसके लिए कृषक रात 10 बजे से सुबह 5 बजे के बीच खेत के किनारों पर धुआँ कर सकते है। धुआँ वातावरण में तापमान गिरने से रोकता है और ओस जमने नहीं देता। धुआं हेतु जैविक पदार्थ जैसे पुआल, पत्तियाँ, लकड़ी का चूरा के धीमी आग का उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही धान का पुआल, पत्तियां, सूखी घास, या कंपोस्ट से खेत को ढकने की प्रक्रिया भी अपनाई जा सकती है। इससे मिट्टी का तापमान 3-5एसी अधिक रहता है नमी बनी रहती है जड़ें सुरक्षित रहती हैं नर्सरी और सब्जियों को ढकने लिए, पॉलीथिन जूट बोरा टाट घास का उपयोग कृषक कर सकते हैं।

जैविक घोलों का छिड़काव

शीतलहर से फसल बचाव हेतु जीवामृत, घन जीवामृत का छिड़काव भी अत्यंत प्रभावी हैं। वर्मी वॉश गिलोय, नीम, तुलसी आधारित काढ़ा स्प्रे, ये पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर ठंड के प्रभाव को कम करते हैं। देरी से बोई गई फसलों हेतु विशेष सावधानियाँ गेहूं, चना की देरी से बोई गई फसलों में पाला का खतरा अधिक होता है। इन फसलों में सिंचाई मल्चिंग अनिवार्य की सलाह दी जाती है।

किसानों को विभागीय सलाह

कृषि विभाग द्वारा कृषकों को अपने खेत की नियमित निगरानी करने और पौधों में पत्तियां झुकना, कड़कपन, सफे द परत दिखने पर तुरंत सिंचाई की सलाह दी गई है साथ ही इस संबंध में कृषि विज्ञान केन्द्र गीदम एवं जिले के अपने क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क बनाए रखने को भी कहा गया है।

एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन की तिथि बढ़ी

कांकेर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत 'एकीकृत किसान पोर्टल' में कृषकों का पंजीयन किया जा रहा है। किसानों को एग्री स्टैक पोर्टल में पंजीयन एवं रकबा संशोधन कराने की अंतिम तिथि में संशोधन किया गया है। इसके अंतर्गत कैरीफारवर्ड, नवीन पंजीयन तथा पंजीकृत फसल, रकबे की पंजीयन की तिथि 25 नवम्बर तक बढ़ाई गई है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि किसान अब तहसील कार्यालय में जाकर आसानी से नवीन पंजीकरण और रकबा संशोधन करा सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए किसान टोल फ्री नंबर एग्रीस्टेक हेल्पडेस्क 1800-233-1030 अथवा खाद्य विभाग के टोल फ्री नंबर 1800-233-3663 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

ज्ञात हो कि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 धान खरीदी हेतु डुबान, वन पट्टाधारी कृषकों का कैरीफारवर्ड, पंजीयन शेष रहने की जानकारी दी गई है। जिसके परिपेक्ष्य में एक सप्ताह का अतिरिक्त समय देने तथा शेष डुबान एवं वन पट्टाधारी कृषकों के कैरीफारवर्ड, पंजीयन शेष रहने पर आवश्यक कार्यवाही किए जाने की अपेक्षा की गई है।

किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त जारी

जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के कोयंबटूर से एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21 वीं किश्त का हस्तांतरण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश भर के 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान राशि सीधे हस्तांतरित की। इसी कड़ी में बस्तर जिले के 63 हजार 773 किसानों को इस किश्त के अंतर्गत कुल 12 करोड़ 75 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया गया। प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय कार्यक्रम में कृषकों की ऑनलाइन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कुम्हरावंड स्थित कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर से 160 कृषक इस आयोजन में शामिल हुए और ऑनलाइन माध्यम से प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना तथा लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के आरंभ में कृषि विज्ञान केंद्र के

वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संतोष नाग ने अपने स्वागत उदबोधन के साथ ही केंद्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए चित्रकोट के पूर्व विधायक लच्छूराम कश्यप ने कृषकों को आधुनिक तरीके से खेती करने के लिए प्रेरित किया। वहीं जनपद पंचायत जगदलपुर के कृषि सभापति भूपेंद्र ठाकुर ने किसानों को जैविक खेती अपनाकर प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की सलाह दी। प्रगतिशील कृषक नील कुमार बघेल ने कृषकों को रासायनिक उर्वरक का संतुलित प्रयोग करने की बात कही। इस दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप संचालक राजीव श्रीवास्तव ने इस दौरान एग्रीस्टेक ऑनलाइन पोर्टल के महत्व को समझाया और किसानों को बैंक खाते से आधार लिंक कराकर किसान सम्मान निधि का लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

इस महत्वपूर्ण आयोजन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित कृषक संघों एवं कृषक उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि, कृषि उपज मंडी से विरेन्द्र कुमार दिल्लीवार तथा कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक धर्मपाल केरकेटटा, डॉ. राहुल साहू, दुष्यंत पाण्डेय, श्वेता मंडल, सहित कृषि विभाग के सुधराम नेताम, लखनधर दीवान, गुरु प्रसाद नेताम और विक्रम भदौरिया जैसे प्रमुख अधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

पॉलिटेक्निक कांकेर द्वारा 5 दिवसीय डिजिटल मोबाइल बैंकिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कांकेर। नियद नेल्लानर योजनांतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक कांकेर द्वारा 5 दिवसीय डिजिटल मोबाइल बैंकिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर द्वारा प्रायोजित किया गया। संस्था के प्रभारी विभागाध्यक्ष एवं व्याख्याता डॉ. जयंत कुमार राय ने बताया कि कार्यक्रम का मूल उद्देश्य जिले के नियद नेल्लानर गांव ग्राम पंचायत पानीडोबीर की स्व सहायता समूह की महिलाओं तथा छात्र-छात्राओं को डिजिटल मोबाइल बैंकिंग के प्रति जागरूक करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में डिजिटल मोबाइल बैंकिंग के बहुत से अवयवों पर चर्चा की गई तथा क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया का प्रदर्शन भी किया गया। शासकीय पॉलिटेक्निक कांकेर के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण हिंदी एवं स्थानीय बोली गोंडी में प्रदान किया गया, जिससे कम पढ़ी-लिखी या हिंदी में कम सहज महिलाओं को भी सभी जानकारी सरलता से समझ में आ सके। कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय बोली गोंडी में ग्राम पंचायत पानीडोबीर के सरपंच, कोयलीबेड़ा के प्राचार्य एवं पानीडोबीर के प्रधानपाठक ने स्थानीय बोली गोंडी लोगां को डिजिटल मोबाइल बैंकिंग के विषय पर जागरूक किया।

इस अवसर पर कक्षा 6वीं से 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए निबंध तथा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन भी

मृतकों के परिजनों के लिए चार चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नारायणपुर। राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 के तहत् प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशन में अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादूर पंचभाई द्वारा पीड़ित परिवार के परिजनों को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत दी गई है। जिले के ग्राम कौशलनार हाथीबेड़ा निवासी लच्छीबती, पति सकुमन सलाम की मृत्यु 07 अगस्त 2025 को आकाशीय बिजली गिरने एवं ग्राम कन्दाड़ी निवासी रजनी पोटाई, पति सुदूराम की मृत्यु 02 मई 2023 को पानी में डुबने के कारण हुई थी। मृतिका लच्छीबती के निकटतम वारिस पति सुकमन सलाम एवं मृतिका रजनी पोटाई के निकटतम वारिस पति सुदूराम पोटाई हेतु 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है। उक्त स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान तहसीलदार छोटेडोंगर एवं कोहकामेटा को राशि बैंक ड्राफ्ट या चेक के माध्यम से एक सप्ताह के भीतर कराने निर्देशित किया गया हैं।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पदों पर आवेदन 4 दिसम्बर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना बिलासपुर शहरी अंतर्गत वार्ड 46 गणेश नगर के आंगनबाड़ी केंद्र क्र. 170 नयापारा गणेशनगर एवं वार्ड क्र 67 विद्यासागर नगर के केंद्र क्र. 80 लोधीपारा सरकंडा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 1-1 रिक्त पदों पर 4 दिसम्बर 2025 तक आवेदन किये जा सकते है। रिक्त पदों की विस्तृत जानकारी तथा निर्धारित आवेदन पत्र कार्यालय के नोटिस बोर्ड में चस्पा कर दी गई हैं। इच्छुक आवेदिका कार्यालयीन समय में बंद लिफाफा अथवा पंजीबद्ध डाक से आवेदन पत्र जमा कर सकती है।

पालना सहायिका के रिक्त पद पर आवेदन 4 दिसंबर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना बिलासपुर शहरी अंतर्गत वार्ड क्रमांक 22 डा. भीमराव अम्बेडकर नगर अंतर्गत पालना केंद्र पुरानी कंपोजिट बिल्डिंग परिसर हेतु पालना सहायिका के रिक्त 1 पद पर 4 दिसंबर 2025 तक आवेदन किये जा सकते है। सहायिका पद हेतु शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास एवं संबंधित वार्ड निवासी होना आवश्यक है। आवेदन के संबंध में अधिक जानकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना बिलासपुर शहरी के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए भुगतान सुधार की अंतिम तिथि निर्धारित

बिलासपुर। जिले के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई, पॉलीटेक्निक आदि में अध्ययनरत अनुसूचित जाति वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है तथा इन संस्थाओं के प्राचार्य शिक्षा सत्र 2022-23, 2023-2024 एवं 2024-24 की बैंक एकाउंट एवं आधार सीडिंग संबंधी संशोधन की कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाइन कर सकते है। शिक्षा सत्र 2022-23 एवं 2023-24 के लिए बैंक एकाउंट एवं आधार सीडिंग संबंधी संशोधन की अंतिम तिथि 30 नवम्बर एवं शिक्षा सत्र 2024-24 के लिए अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 तक है।

राजीव युवा उत्थान योजना के छात्र गंगाधर चंद्राकर का पीएससी में चयन

बिलासपुर। राजीव युवा उत्थान योजना के अंतर्गत पूर्व प्रशिक्षण केंद्र बिलासपुर में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे ग्राम महका, तहसील पण्डरिया, जिला कोरबा के प्रशिक्षार्थी श्री गंगाधर चंद्राकर कर चयन छ.ग. लोक सेवा आयोग रायपुर में सहायक संचालक उद्योग, प्रबंधक वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के पद पर हुआ है। श्री चंद्राकर की उपलब्धि पर परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र के अपर संचालक एवं स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

छतौना व्यपवर्तन योजना : नहर निर्माण के लिए भू-अर्जन हेतु समाघात दल ने की अनुशंसा

बिलासपुर। जिले के बेलगहना तहसील के छतौना गांव में मुख्य नहर निर्माण के लिए भूमि का अर्जन किया जाना है। सामाजिक समाघात दल ने ग्राम छतौना में भू-अर्जन से पड़ने वाले प्रभाव का आंकलन किया। मूल्यांकन में पाया गया कि छतौना गांव में भू-अर्जन से 2.38 एकड़ भूमि प्रभावित हो रही है जिसका समाघात दल ने किसानों से भी सहमति लिया और पाया कि अर्जित भूमि से कोई मकान आदि प्रभावित नहीं हो रहा है और न ही किसी भी परिवार के विस्थापन की संभावना है। सामाजिक समाघात दल द्वारा यह पाया गया है कि अधोसंरचना पर कोई बाधा नहीं है तथा अधोसंरचना का कार्य प्रभावित नहीं हुआ है। समाघात दल इस बात से संतुष्ट है कि जल संसाधन विभाग को जितनी भूमि की आवश्यकता है उतनी ही भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। समाघात दल ने ग्राम छतौना तहसील बेलगहना के अंतर्गत जल संसाधन संभाग पेण्ड्रारोड के नहर निर्माण हेतु ग्राम छतौना में रकबा 2.38 एकड़ भूमि का अर्जन लोकहित में किए जाने की अनुशंसा की है। नहर निर्माण होने से कुल 250 हेक्टेयर खरीफ एवं 92 हेक्टेयर रबी की फसल पर सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा।

कच्ची महुआ शराब बेचते आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। जिले की थाना कोनी पुलिस ने अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब बेचते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से 16 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त किया है। बता दें कि वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अवैध शराब का धंधा करने वाले एवं खरीदी बिक्री करने वालों के ऊपर पूर्ण अंकुश लगाने हेतु दिशा निर्देश दिए गया हैं जिसके अनुक्रम में दिनांक 19/11/2025 को थाना कोनी क्षेत्र मे ग्राम जलसो निवासी एक व्यक्तिअपने घर में अवैध हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब रखकर बिक्री हेतु रखा है कि मुखबिर सूचना पर कोनी पुलिस के द्वारा मौके पर पहुंच रेड कार्यवाही किया गया रेड कार्यवाही दौरान एक व्यक्ति बिक्री हेतु महुआ शराब रखा था नाम पूछने पर अपना नाम शरद सूर्यवंशी बताया जिसकी तलाशी लेने पर कब्जे से 16 लीटर अवैध हाथ भट्टी से निर्मित कच्ची महुआ शराब मिला।

जिले में धान खरीदी का सिलसिला जारी

भरारी सहकारी समिति पहुंचे किसानों ने व्यवस्था को बताया भरोसेमंद

बिलासपुर। प्रदेश में धान खरीदी का सिलसिला जिले के सभी केंद्रों में खरीदी प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से जारी है। भरारी सेवा सहकारी समिति में धान बेचने पहुंचे ग्राम सेमरा के किसान रमेश साहू ने खरीदी व्यवस्था को लेकर संतुष्टि जताई। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों से धान खरीदी के लिए समुचित इंतज़ाम किए गए हैं। केंद्र में बारदाने की उपलब्धता के साथ ही टोकन कटने में किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आई। उन्होंने बताया कि वे 8 एकड़ में धान की खेती करते है। वे इस वर्ष 82 क्विंटल धान बेचने केंद्र पहुंचे हैं, उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र पर टोकन कटने से लेकर धान तौलने तक की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही। केंद्र में बारदाना उपलब्ध था, कर्मचारी सहयोगी थे और किसानों के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ पहले से सुनिश्चित थीं। भरारी धान खरीदी केंद्र में धान बेचने आए गोंदईया के किसान जनकराम साहू ने बताया कि वे 8.5 एकड़ में खेती करते है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किए जाने से किसानों को वास्तविक लाभ मिल रहा है। इस राशि से उनकी आय में स्थिरता आई है और खेती को आर्थिक मजबूती मिली है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान

निधि की नियमित किस्तें बीज, खाद और अन्य कृषि कार्यों में बड़ा सहयोग देती हैं। दोनों किसानों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार ने किसानों की कठिनाइयों को समझकर जो निर्णय लिए हैं, उनके परिणाम अब जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। भरारी धान खरीदी केंद्र में भरारी, सेमरा, सेंदरी, लोफंदी, गोंदईया, छुमकवा, परसोड़ी, परसदा, मोहतराई, पेंडरवा एवं लछनपुर के किसान धान बेचने आते है।

कलेक्टर ने की धान खरीदी अभियान की प्रगति की समीक्षा

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज मंथन सभाकक्ष में बैठक लेकर धान खरीदी अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी उपार्जन केन्द्रों में खरीदी शुरू करने के कड़े निर्देश दिए। किसानों से भी टोकन कटवाकर धान बेचने आने का आग्रह किया। कलेक्टर ने कहा कि संपूर्ण धान खरीदी अभियान के केन्द्र में हमारे मेहनतकश किसान है। उनका हित राज्य सरकार के लिए सर्वोपरि है। अभियान के अंतर्गत किसी भी काम में किसानों को किसी प्रकार की क्षति नहीं होनी चाहिए। पर्याप्त मात्रा में बारदान की उपलब्धता रहे। खरीदे गये धान का प्रतिदिन स्टेकिंग होने चाहिए। बैठक में प्रमुख रूप से जिला सहकारी बैंक के सुपरवाईजर एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी मौजूद थे। उन्हें प्रमुख रूप से मॉनीटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रत्येक के हिस्से में लगभग 8 से 10 उपार्जन केन्द्र शामिल हैं। कलेक्टर ने इन सभी को अपने अधिकारी क्षेत्र की सभी केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान किसी स्तर पर गड़बड़ी की जानकारी मिले तो इसे तत्काल रोकें और इसकी जानकारी मुझे व्यक्तिगत रूप से दें। खरीदे गये धान का फड़ पर नुकसान नहीं होने चाहिए। देख लें कि डनेज, नाली एवं कैप कव्हर पर्याप्त मात्रा में हो। समितियों को इन सब कार्यों के लिए पयाप्त मात्रा में राशि मुहैया कराई गई है। बैठक में खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर, उप आयुक्त सहकारिता सीएस जायसवाल,सीईओ सहकारी बैंक प्रभात मिश्रा, डीएमओ अमित चंद्राकर, नोडल अफसर आशीष दुबे भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का अवलोकन

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज शहर के तोरवा इलाके का दौरा कर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य का अवलोकन लिया। उन्होंने नजदीक के स्कूल में स्थित मतदान केन्द्र में बीएलओ की बैठक लेकर उनके द्वारा अब तक किये गये के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंनें सभी बीएलओ को तय समय पर और गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। गणना प्रपत्रों को तुरंत ऑनलाईन अपडेट करने को कहा है। कलेक्टर ने स्थानीय स्तर पर कुछ मतदाताओं से भी चर्चा कर अभियान के बारे में जानकारी ली। उन्हें बीएलओ को कार्य में सहयोग करने को कहा। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार गत 4 नवम्बर से शुरू यह विशेष पुनरीक्षण अभियान आगामी 4 दिसम्बर तक चलेगा।

इस दौरान बीएलओ मतदाताओं से सम्पर्क कर गणना पत्रक उपलब्ध कराने के साथ ही भरे हुए पत्रक संकलित करेंगे। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम शिवकुमार बनर्जी, अतिरिक्त तहसीलदार आकाश गुप्ता, जोन अफसर भी उपस्थित थे।

बिलासपुर रेलवे मंडल की सतर्कता और त्वरित सेवा

■ हमसफर एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे बीमार शिशु को चांपा स्टेशन में मिली समय पर चिकित्सा सहायता

बिलासपुर। बिलासपुर मंडल रेल प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं मानवीय यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। यात्रियों की हर जरूरत—चाहे चिकित्सा सहायता हो, आवश्यक सामग्री की उपलब्धता हो, बच्चों के लिए गरम पानी या बेबी फूड—इन सभी मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में आज गाड़ी संख्या 20918 पुरीङ्कइंदौर हमसफर एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक महिला यात्री के एक वर्षीय शिशु की तबीयत बिगड़ने पर रेलवे प्रशासन ने त्वरित संवेदनशीलता का परिचय दिया। बी-2 कोच के सीट नंबर 40 पर यात्रा कर रहे शिशु को लगातार उल्टी होने की जानकारी महिला यात्री द्वारा कोच के टीटीई एन बिश्वास को दी गई, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई की गई। चांपा स्टेशन में इस गाड़ी का ठहराव नहीं है लेकिन

रेलवे प्रशासन द्वारा संवेदनशीलता एवं मानवता का परिचय देते हुए टीटीई द्वारा सूचित किए जाने पर वाणिज्य कंट्रोल बिलासपुर ने तुरंत कोचिंग कंट्रोल को मेमो जारी कर चांपा स्टेशन में गाड़ी का आवश्यक ठहराव सुनिश्चित कराया। चांपा स्टेशन में स्टेशन प्रबंधक एवं वाणिज्य विभाग के सुपरवाइजर ने मिलकर चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की। यात्री के शिशु को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने हेतु एम्बुलेंस के माध्यम से नजदीकी सरकारी अस्पताल में सुरक्षित रूप से पहुँचाया गया।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है स्टेशन पुनर्विकास का कार्य...

■ बिलासपुर स्टेशन का द्वितीय प्रवेश द्वार एवं वहाँ पर स्थित बुकिंग काउंटर 27 नवम्बर 2025 से अस्थायी रूप से बंद रहेगी-फोटो नं

बिलासपुर। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बिलासपुर स्टेशन को 400 करोड़ रुपए की लागत से यात्रियों के अनुकूल सर्वसुविधायुक्त बनाने हेतु पुनर्विकसित किया जा रहा है जिससे कि यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके। पुनर्विकास के कार्य चरणबद्ध तरीके से जारी है बिलासपुर मंडल रेल प्रशासन द्वारा यह सूचित किया जाता है कि बिलासपुर रेलवे स्टेशन में यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं स्टेशन पुनर्निर्माण कार्यों को तीव्र गति से आगे बढ़ाने हेतु स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार में स्थित बुकिंग काउंटर तथा द्वितीय प्रवेश द्वार को दिनांक 27 नवम्बर 2025

से अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है। इस पुनर्विकास कार्य के अंतर्गत बिलासपुर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार में यात्रियों के बेहतर आवागमन सुविधा हेतु स्टेशन और द्वितीय प्रवेश द्वार को जोड़ने वाली फुट ओवरब्रिज में मॉडिफिक्केशन का कार्य किया जाएगाइस दौरान यात्रियों से अनुरोध है कि वैकल्पिक प्रवेश द्वार एवं उपलब्ध अन्य बुकिंग काउंटरों का उपयोग करें तथा स्टेशन परिसर में लगाए गए दिशा-सूचक बोर्ड एवं रेलवे कर्मियों द्वारा दिए जा रहे निर्देशों का पालन करें । रेल प्रशासन यात्रियों को होने वाली किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है तथा सहयोग की आशा करता है।

किसानों को मिला ऑयल पाम योजना की तकनीकी जानकारी

■ महासमुंद के भलेसर गांव का 120 किसानों ने किया भ्रमण

बिलासपुर। केन्द्र सरकार द्वारा तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेशनल मिशन ऑन एडीबल ऑयल-ऑयल पाम योजना संचालित है। जिले में ऑयल पाम की व्यावसायिक खेती की संभावनाओं को देखते हुए इसे प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस दिशा में ऑयल पाम किसानों को आर्थिक सहायता के साथ तकनीकी मार्गदर्शन को बढ़ावा देने के लिए जिले के 120 किसानों के द्वारा कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम के तहत् महासमुंद के ग्राम भलेसर में कृषक श्री मुकेश चंद्राकर जी के ऑयल पाम प्रक्षेत्र में उद्यानिकी विभाग एवं अनुबंधित कंपनी प्रीयूनिक एशिया प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा विकासखण्ड बिल्हा के 30, तखतपुर के 30, मस्तूरी के 30 एवं कोटा विकासखंड क्षेत्र के 30 किसानों को भ्रमण कराया गया। कृषकों के भ्रमण का मुख्य उद्देश्य उद्यानिकी विभाग में संचालित ऑयल पाम योजना की तकनीकी जानकारियों प्रदाय करना, ऑयल पान की खेती में आ रही चुनौतियों, सरकारी सहायता की आवश्यकता, विपणन सुविधाएँ, एवं बेहतर उपज प्राप्त करने हेतु एफएफबी से संबंधित जानकारियों को प्रदाय करना था। जिले के कृषकों को भ्रमण के दौरान विभागीय अधिकारियों के द्वारा अवगत कराया गया कि ऑयल पाम एक दीर्घ आमदनी देने वाली फसल है। इसकी विशेषता यह है कि रोपण के तीसरे वर्ष से उत्पादन शुरु होकर लगातार 25-30 साल तक चलता है। प्रति हेक्टेयर औसतन 20 टन उपज मिलजी है, जिससे किसान को हर साल संभावित 2 से 3 लाख रुपये की आमदनी हो सकती है। महासमुंद जिले के भलेसर ग्राम के कृषक श्री मुकेश चंद्राकर जी के द्वारा वर्तमान में भलेसर ग्राम में 32 एकड़ में ऑयल पाम की खेती की जा रही है। इसमें रोपित पौधों की आयु लगभग 8 वर्ष की है। जिससे उन्हें ऑयल पॉम के उत्पाद फलों के गुच्छों आदि को बेचकर सलाना 62 लाख की आय प्राप्त हो जाती है। साथ ही साथ वर्तमान में उनके द्वारा बोरवेल, ड्रिप सिस्टम एवं अंतरवर्तीय फसलों के रूप में कोकोआ की व्यासायिक खेती भी किया जा रहा है। इस भ्रमण कार्यकम में उप संचालक उद्यान डॉ. कमलेश दीवान, विकासखण्ड बिल्हा से ग्रा.उ.वि.अधि श्री श्रवण कुमार साहू, प्रक्षेत्र सलाहकार श्री शिशिर साहू, वि.ख. मस्तूरी से ग्रा.उ.नि.अधि. श्री मनीष केरकेट्टा, वि.ख. तखतपुर से प्रक्षेत्र सलाहकार श्री मनीष साहू, कोटा ब्लॉक से ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी।

बिलासपुर मंडल के चक्रधरनगर ब्लॉक कैबिन को चौथी रेल लाइन से जोड़ने के लिए नॉन इंटरकनेक्टिविटी का कार्य किया जायेगा.....

- रायगढ कोतरलिया सेक्शन मे ऑटो सिग्नलिंग का कार्य एवं तीसरी रेलवे लाइन का विधुतीकरण का कार्य किया जायेगा
- बिलासपुर-झारसुगुड़ा तीसरी एवं चौथी रेलवे लाइन परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महत्वपूर्ण परियोजना है, जिससे भविष्य में यात्री सुविधाओं में वृद्धि होगी ।
- इस कार्य के फलस्वरुप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा

बिलासपुर। अधोसंरचना विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अनेक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है । इसी प्रकार बिलासपुर-झारसुगुड़ा के बीच तीसरी एवं चौथी रेलवे लाइन परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महत्वपूर्ण परियोजना है यह व्यस्त रेल मार्ग है, जो इस पूरे क्षेत्र को उत्तर एवं दक्षिण भारत से जोड़ती है । परिचालन को और भी सुचारू तथा नई गाडियों के मार्ग प्रशस्त करने के लिए नई लाइनों का निर्माण कार्य किया जा रहा है । इससे आधारभूत संरचना में तथा यात्री सुविधाओं में वृद्धि के साथ यात्री ट्रेनों की समय बद्धता में वृद्धि होगी ।इसी क्रम में बिलासपुर से झारसुगुड़ा के बीच 206 किलोमीटर चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य किया जा रहा है । जिसमे अब तक 150 किलोमीटर से अधिक का रेल लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है । इसके अंतर्गत बिलासपुर-झारसुगुड़ा सेक्शन के चक्रधरनगर ब्लॉक कैबिन को चौथी लाइन से जोड़ने का कार्य किया जाएगा ।चक्रधरनगर ब्लॉक कैबिन को चौथी रेललाइन में जोड़ने का यहा कार्य दिनांक 21 नवम्बर से 11 दिसम्बर, 2025 तक (विभिन्न तिथियो में) किया जायेगा । रेल

यात्रियो को कम से कम असुविधा हो इसलिए ये कार्य किए जा रहे है । रेल विकास से संबधित इस कार्य के लिए इन ट्रेनों का परिचालन अल्पकालिक बाधित रहेगा एवं इस कार्य के पूर्ण होते ही गाडियों की समयबद्धता एवं गति में तेजी आयेगी । इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा । जिसका विवरण इस प्रकार है:- प्रभावित होने पैसेंजर गाडियां:- 01. दिनांक 23 नवम्बर से 03 दिसम्बर, 2025 तक रायगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 68737 रायगढ़-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी । 02. दिनांक 23 नवम्बर से 03 दिसम्बर, 2025 तक बिलासपुर से चलने वाली 68738 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू रद्द रहेगी । 03. दिनांक 23 नवम्बर से 03 दिसम्बर, 2025 तक रायगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 68735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी । 04. दिनांक 22 नवम्बर से 02 दिसम्बर, 2025 तक बिलासपुर से चलने वाली 68736 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू रद्द रहेगी । बीच में समाप्त होने वाली गाडियां:- 01. दिनांक 23 नवम्बर से 03 दिसम्बर, 2025 तक गोंदिया एवं झारसुगुडा से चलने वाली 68861/68862 गोंदियाङ्कझारसुगुडा- गोंदिया पैसेंजर बिलासपुर एवं झारसुगुडा के बीच रद्द रहेगी ।रेल प्रशासन यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है तथा सहयोग की आशा करता है ।

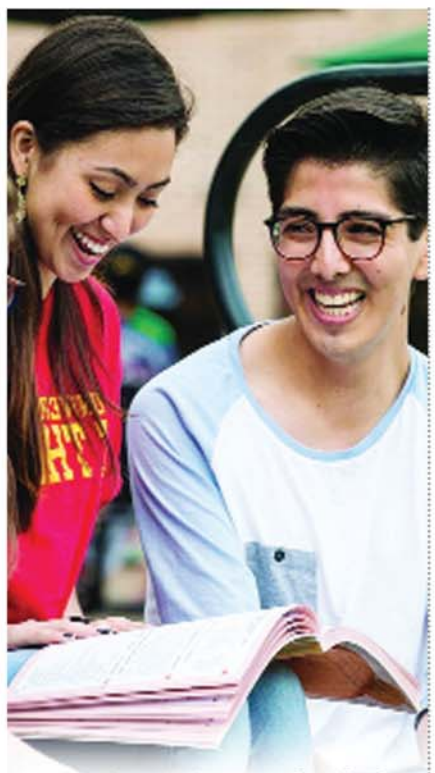

इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरुर जानें

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर साइंस का कोर्स करते है लेकिन इसमें प्लेसमेंट बहुत कम देखने को मिलती है। वहीं, इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरुर जान लें।

इंजीनियरिंग का सपना देखने वाले छात्रों को यह बात जरुर पता होना चाहिए। वैसे तो देश के कई टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो लाखों का प्लेसमेट पैकेज देते हैं। आज के समय में सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर सांइस ब्रांच में सबसे ज्यादा छात्र एडमिशन लेते हैं लेकिन इस ब्रांच में प्लेसमेंट बहुत ही कम मिलते हैं। वहीं, इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरुर जान लें।

बीटेक कंप्यूटर साइंस प्लेसमेंट में पीछे हुआ

आजकल सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर साइंस के ब्रांच से इंजीनियरिंग कर तो रहे हैं लेकिन कई कॉलेज के प्लेसमेंट रिकॉर्ड में पाया गया है कि बीटेक कंप्यूटर साइंस प्लेसमेंट काफी पीछे रह गया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर के प्लेसमेंट रिकॉर्ड के बारे में बताएं तो यहां बीटेक कंप्यूटर साइंस में प्लेसमेंट बहुत कम हुआ है। NIT रायपुर में बीटेक कंप्यूटर साइंस में कुल 83.65 फीसदी छात्रों को नौकरी मिली है।

BTech IT में सबसे ज्यादा प्लेसमेंट

गौरतलब है कि बीटेक कंप्यूटर साइंस से ज्यादा बीटेक आईटी के छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट में जॉब ऑफर ज्यादा मिल रहे हैं। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी यानी BTech IT के 84.47 फीसदी छात्रों का सेलेक्शन कैंपस प्लेसमेंट राउंड में हुआ है।

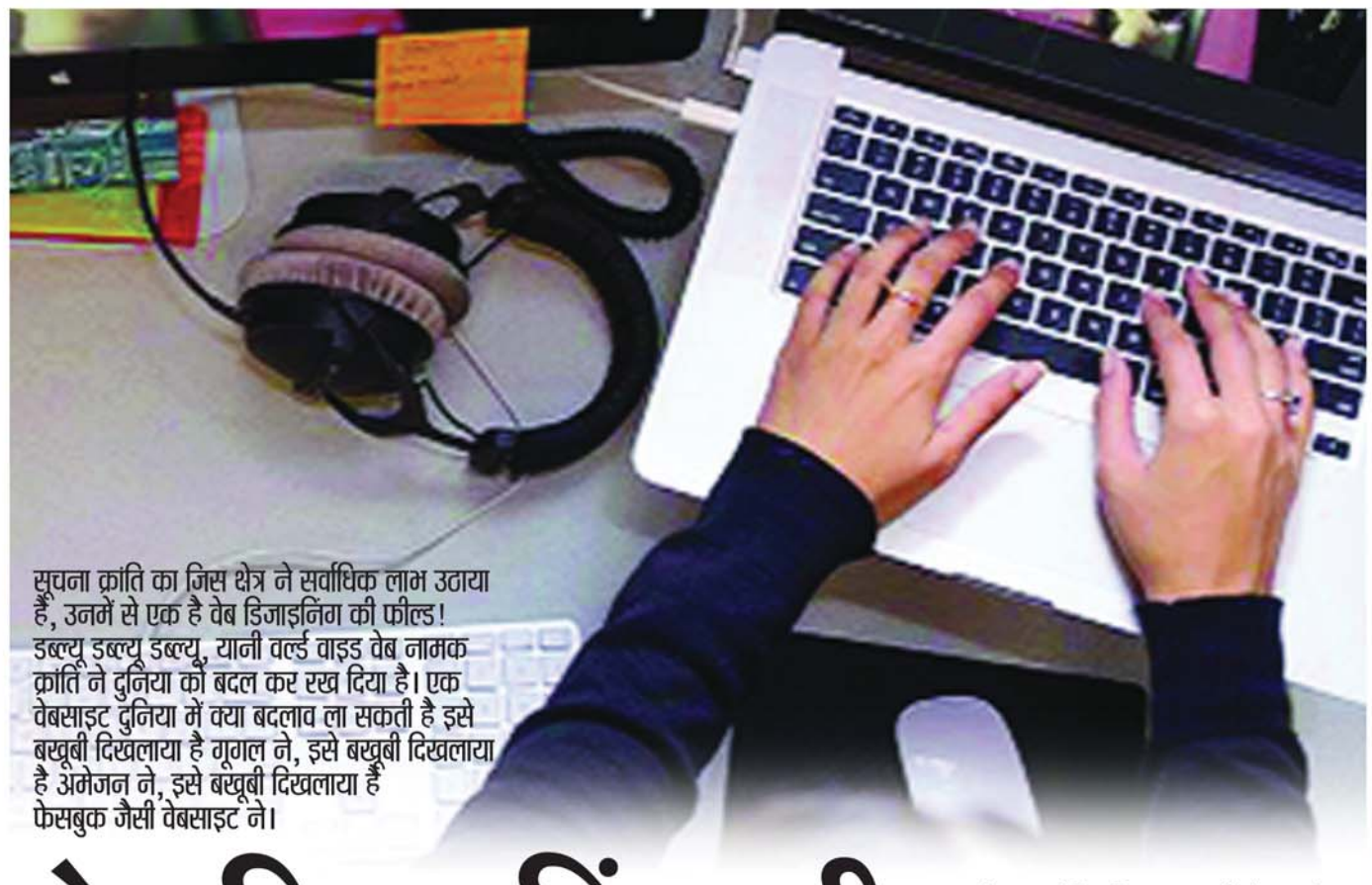

सूचना क्रांति का जिस क्षेत्र ने सर्वाधिक लाभ उठाया हैं, उनमें से एक है वेब डिजाइनिंग की फील्ड! डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू, यानी वर्ल्ड वाइड वेब नामक क्रांति ने दुनिया को बदल कर रख दिया है। एक वेबसाइट दुनिया में क्या बदलाव ला सकती है इसे बखूबी दिखलाया है गूगल ने, इसे बखूबी दिखलाया है अमेजन ने, इसे बखूबी दिखलाया है फेसबुक जैसी वेबसाइट ने।

वेब डिजाइनिंग की फील्ड ने उठाया है सूचना क्रांति का सर्वाधिक लाभ

आप चाहे विकिपीडिया का नाम लें, चाहे फिलपकार्ट कहें, चाहे न्यूज की दूसरी वेबसाइट का उद्धरण दें, इसने नए युग में नई क्रांति को जन्म दिया है। छोटा बिजनेस हो, बड़ा बिजनेस हो, किसी आम या खास इंडस्ट्री से संबंधित कंटेंट की वेबसाइट हो, सामान की डिलीवरी हो या फिर कोई और काम, लोगों की जिंदगी में एक वेबसाइट ने आमूलचूल परिवर्तन लाया है। वस्तुतः यह कहने में हमें संकोच नहीं होना चाहिए कि शिक्षा तक की ट्रेडिशनल पद्धति को वेबसाइटों ने ना केवल बदला है, बल्कि इसकी बुनियाद को बदलने में भी अहम भूमिका निभाई है। अब जरा सोचिए! अगर इसका प्रभाव इतना व्यापक है तो इस फील्ड में कार्य करने वाले लोग भला महत्वपूर्ण क्यों नहीं होंगे सच बात तो यह है कि वेब डिजाइनर पिछले कई दशकों से महत्वपूर्ण बने हुए हैं और आज भी इनका महत्व कम नहीं हुआ है। वेब डिजाइनिंग में आप सामान्य एचटीएमएल वेबसाइट से लेकर, स्टैटिक ऑपरेशन एवं डायनेमिक बिहेवियर वाली वेबसाइट बनाते हैं और उसकी सहायता से अपने कस्टमर को लाभ भी पहुंचाते हैं। वेब डिजाइनिंग के कई भाग हैं।

डिजाइनिंग पार्ट

किसी वेबसाइट का ले आउट कैसा रहना चाहिए, इसका यूजर इंटरफेस किस डिजाइन से बेहतर होगा, इसे डिसाइड करने के लिए आप इसकी स्केचिंग करते हो। साथ में किसी सॉफ्टवेयर में इसका प्रोटोटाइप भी बनाते हो। कई लोग इसे तकनीकी लैंग्वेज में पीएसडी बनाना भी बोलते हैं। यहां डिजाइन फाइनल होती है और उसके बाद ही अगले स्टेप की तरफ कोई बढ़ता है। अगर आप इस क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो एडोबी का फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, कोरल ड्रा जैसे सॉफ्टवेयर में आपको सिद्धहस्त होना चाहिए। इसे आप एक लेवल पर ग्राफिक डिजाइनर भी बोल सकते हैं और आप जितनी बेहतरीन डिजाइन बनाएंगे, वेबसाइट उतनी ही शानदार तरीके से तैयार होगी। इस फील्ड में उपरोक्त सॉफ्टवेयर की महारत रखने वाले लोग न केवल वेबसाइट का लेआउट बनाते हैं, बल्कि लोगो से लेकर तमाम इमेज वर्क भी इनके हाथ में होता है।

एचटीएमएल, सीएसएस की जानकारी

इसे फ्रंट एंड कोडिंग भी बोल सकते हैं। मतलब सामने वेबसाइट जो दिखती है, उसकी कोडिंग। ब्राउजर में जब आप कोई भी यूआरएल डालते हैं, तो जो फ्रंट एंड नजर आता है वह एचटीएमएल पर चलता है। एचटीएमएल मतलब हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज। इसके कई वर्जन आ चुके हैं और हाल-फिलहाल एचटीएमएल- 5 पर कार्य हो रहा है। इसी प्रकार एचटीएमएल को खूबसूरत बनाने का काम करती है स्टाइलशीट जिसको सीएसएस (कैस्केडिंग स्टाइल शीट) बोलते हैं। यह दोनों कोडिंग लैंग्वेज ही होती हैं और इन्हें आप एक तरह से स्क्रिप्टिंग भी बोल सकते हैं। वेबसाइट डिजाइन करने में जावास्क्रिप्ट भी यूज होती है, जो खासकर इवेंट के लिए प्रयोग की जाती है। जैसे माउस क्लिक करने पर क्या एक्शन होना चाहिए, माउस रोलओवर करने पर क्या एक्शन होना चाहिए, स्क्रोलिंग पर क्या एक्शन होना चाहिए, यह कार्य जावास्क्रिप्ट करती है। इसकी जानकारी आपको एचटीएमएल, सीएसएस, जावास्क्रिप्ट में मिलती है। सामान्य तौर पर इसे आसान कोडिंग लैंग्वेज कहा जाता है और आप इसमें भी महारत हासिल कर सकते हैं।

कोडिंग जोन

यह ऐसा क्षेत्र है जो असली प्रोग्रामिंग की दुनिया में बदलाव लाता है। एक सामान्य वेबसाइट और गूगल में क्या अंतर है यह डिफाइन करता है कि इसमें कोडिंग किस स्तर की हुई है एक सामान्य एचटीएमएल वेबसाइट और फेसबुक में क्या अंतर है, एक सामान्य वेबसाइट और अमेजन में क्या अंतर है, यह कोडिंग डिसाइड करती है। कहने का तात्पर्य यह है कि मनुष्य ऊपर से जैसा भी दिखता हो, किंतु उसके मस्तिष्क में कितनी नसें हैं, ब्लड सर्कुलेशन किस प्रकार होता है यह आप प्रोग्रामिंग समझ सकते हैं।

कोडिंग लैंग्वेज किसी भी वेबसाइट को नियंत्रित करती है। वह वेबसाइट चाहते गूगल जैसा कोई सर्च इंजन हो, फेसबुक जैसा कोई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हो या फिर फ्लिपकार्ट जैसी कोई शॉपिंग वेबसाइट हो, कोडिंग ही यह तमाम चीजें तय करती है। इसमें पीएचपी से लेकर जावा और एएसपी से लेकर पाइथन और सी प्लस प्लस जैसी हेवी लैंग्वेज होती हैं, जिसके ऊपर कोई भी फंक्शन कार्य करता है। इसमें अगर आप महारत हासिल करते हैं, तो वेबसाइट में बड़ी-बड़ी फंक्शनैलिटी ऐड कर सकते हैं, नयी खोज कर सकते हैं। कॅरियर की बात करें तो, गूगल-फेसबुक जैसी बड़ी कंपनियों में इंजीनियर के पद पर आप मोटी सैलरी भी उठा सकते हैं या फिर अपना कोई स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।

वेब कंसलटेंसी

अगर आप ऊपर में से तीन चीजों में से कुछ नहीं करते हैं तो भी आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। आप तमाम सीएमएस में से किसी एक सीएमएस में महारत हासिल करके लोगों को कंसल्टेंसी दे सकते हैं। बहुत सारी ऐसी कंपनियां हैं जो ड्रैग एंड ड्रॉप पर चलती हैं, किंतु लोगों को उसकी जानकारी नहीं होती है। जैसे वर्डप्रेस, ब्लॉगर, टंबलर इत्यादि। तो किस प्रकार से कोई वेबसाइट बनती है, कार्य करती है, आपको इसकी जानकारी देनी होती है, जो सामान्यतः उसके ट्यूटोरियल में दिया भी होता है। इसे आप यूट्यूब से भी स्टेप बाय स्टेप सीख सकते हैं और अच्छा खासा पैसा भी कमा सकते हैं। ऊपर की चीजें ऐसी हैं जो आप फुल टाइम कर सकते हैं और अच्छी खासी अर्निंग कर सकते हैं। इसके साथ ही आपको डोमेन, होस्टिंग की भी जानकारी रखनी होती है, क्योंकि अगर आप यह कार्य करते हैं तो फिर एक संपूर्ण पैकेज के तौर पर अपने कॅरियर में चार चांद लगा सकते हैं।

बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है एआई

अगर आप कॉरपोरेट दुनिया में कॅरियर तलाश कर रहे हैं, या फिर अपने कौशल को निखारना चाहते हैं। तो एआई आपको नए अवसरों की तलाश कर बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शुरुआती दौर में नौकरी छीनने की आशंका को देखते हुए सबसे बड़ा खतरा माना जाता था। लेकिन वर्तमान समय में वास्तविकता एकदम अलग है। क्योंकि एआई न सिर्फ युवाओं को नई नौकरी दिलाने में मदद करता है, बल्कि कौशल निखारने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। छात्रों की पढ़ाई से लेकर शिक्षक और पेशेवरों को पेशेवर तौर-तरीके सिखाने में एआई मदद करता है। ऐसे में अगर आप कॉरपोरेट दुनिया में कॅरियर तलाश कर रहे हैं, या फिर अपने कौशल को निखारना चाहते हैं। तो एआई आपको नए अवसरों की तलाश कर बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है।

एआई कन्वर्सेशन स्टार्टर टूल

कुछ कंपनियां ऐसी हैं, जहां पर खाली पदों को भरने के लिए कोई विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। इसको हिडन जॉब मार्केट कहा जाता है। ऐसी नौकरी की जानकारी के लिए आपके लिए नेटवर्किंग काफी मददगार होती हैं। इसके अलावा लिंक्डइन के एआई कन्वर्सेशन स्टार्टर टूल के माध्यम से संबंधित क्षेत्र के पेशेवरों से जुड़ने एवं अपने कौशल को उजागर करने में भी सहायता मिलती है। लिंक्डइन के अलावा एंगेज और टैप्लियो ऐसे ऐआई टूल हैं, तो आपकी नेटवर्किंग को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

रिज्यूमे और कवर लेटर

आपको बता दें कि आकर्षक रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने में भी एआई मदद करता है। जिससे आपके कौशल नियोक्ता के सामने बेहतर और बेहद अच्छे तरीके से उजागर हो पाएंगे। रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने के लिए रेजी एक ऐसा ही टूल है, जो कौशल व शैक्षणिक पृष्ठभूमि को आकर्षक आकार देता है और आपके रिज्यूमे को प्रभावी बनाता है। हायरिंग कंपनी के नाम और पद के लिए जारी किए गए विज्ञापन के आधार पर विशेष रूप से बनाया गया जॉब एप्लीकेशन भी तैयार करता है। इसके अलावा यह एप्लीकेशन व्याकरण की गलतियों को भी सुधारने में सहायक है।

इंटरव्यू के लिए भी करेगा तैयार

इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। इसके लिए आप चैटजीपीटी की मदद ले सकते हैं। हालांकि पूरी तरह से इस पर निर्भर होना भी ठीक नहीं है। चैटजीपीटी केवल संभावित सुझावों के लिए अच्छा ऑप्शन है। आप कंपनी और पद का नाम डालकर इंटरव्यू में पूछे जाने वाले संभावित प्रश्नों की लिस्ट और उस दौरान आपको किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, इसके बारे में जान सकते हैं। आप चैटजीपीटी द्वारा सुझाए गए कौशल और क्षमताओं के आधार पर अपने उत्तर को बेहतर बना सकते हैं। प्रमोशन के लिए एआई सिर्फ नौकरी दिलाने में ही मदद नहीं कर रहा बल्कि इसकी मदद से आप पेशेवर प्रमोशन पाने तक का सफर भी तय कर सकते हैं। चैटजीपीटी और जेमिनी आदि के जरिए आप बॉस से अपने प्रमोशन संबंधी बात करने तरीके के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।

विदेश में करना चाहते हैं जॉब, तो इंजीनियरिंग की इस ब्रांच का कोर्स कर लें

अगर आप भी अपना करियर इंजीनियरिंग में बनाना चाहते हैं तो पहले जान लें सबसे बेस्ट इंजीनियरिंग ब्रांच के बारे में। इंजीनियरिंग की इस ब्रांच में कोर्स करते हैं तो आपको विदेश में जानें का सुनहरा मौका मिलेगा। मिलती हैं लाखों में सैलरी। गर आप भी विदेश में इंजीनियरिंग की जॉब करना चाहते हैं। तो जान लें कौन-सी ब्रांच में कोर्स करना चाहिए।

आजकल ज्यादातर लोगों की पसंद इंजीनियर बनना होता है। अगर आप भी करियर में इंजीनियरिंग बनने का सपना देख रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। विदेश की टॉप कंपनियों में काम करने के लिए हर किसी का एक ड्रीम होता है। अगर आप भी विदेश में इंजीनियरिंग की जॉब करना चाहते हैं। तो जान लें कौन-सी ब्रांच में कोर्स करना चाहिए।

विदेश में मिलती है जॉब

अगर आप इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको बता दें कि कॉलेज के कैंपस प्लेसमेंट में मल्टी नेशनल कंपनियां भी हिस्सा लेती हैं। विदेश में जॉब करने की इच्छा आप रखते हैं तो इंजीनियरिंग ब्रांच में आप भी देख लें।

Btech ECE

विदेश में जॉब करने की चाहत रखने वाले लोग बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग ब्रांच की डिमांड जॉब मार्केट में काफी ज्यादा है।

BTECH Computer Science

Btech CSE कोर्स करने से विदेशी कंपानियां जॉब ऑफर करती है। बीटेक CSE के छात्रों को Google, Infosys और microsoft जैसी कंपनियों में लाखों के पैकेज वाले जॉब ऑफर मिलता है।

BTECH Chemical Engineering

विदेश में इंजीनियरिंग की इस ब्रांच की काफी डिमांड है। कैमिकल इंजीनियर्स को विदेशी कंपानियों में आसानी से लाखों के पैकेज पर जॉब ऑफर होता है। आप भी इस ब्रांच में कोर्स कर सकते हैं।

Btech Data Science

बीटेक डेटा साइंस एक बेहतरीन इंजीनियरिंग ब्रांच में से एक है। आपको बता दें कि देश के टॉप IITs, NITs और IIITs में यह कोर्स कराया जाता है।

सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से 22 बेटियों को दिए जाएंगे नि:शुल्क साइकिल, तैयारियों में जुटा प्रशासन : कल्पना नारद साहू

पाटन। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा गांव-गांव में ही प्राइमरी स्कूल की सुविधा दी जाती है, लेकिन कई गांव में हाई स्कूल थोड़ा दूर होता है, जिसके चलते कक्षा आठवीं तक की शिक्षा पूरी करने के बाद ज्यादातर बेटियां अपनी पढ़ाई स्कूल दूर होने की वजह से छोड़ देती थी, जिसे दृष्टिगत रखते हुए छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सरस्वती साइकिल योजना शुरू की गई। इस योजना के माध्यम से कक्षा आठवीं पार कर 9वीं में जाने वाली छात्राओं को उनके आगे की शिक्षा में आवागमन हेतु सहूलियत प्रदान करने निःशुल्क साइकिल का वितरण किया जाने लगा। सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से लाभान्वित होने वाली छात्राएं अपनी आगे की पढ़ाई भी जारी रखने लगी। छत्तीसगढ़ शासन की योजना से छात्राओं को काफी लाभ हुआ है। सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से इस वर्ष जामगांव आर में 22 छात्राओं को साइकिल वितरण किए जाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। दुर्ग जिले के जामगांव आर में कारीगरों के द्वारा युद्ध स्तर पर साइकिलों के पुर्जे फिट किए जाने का कार्य किया जा रहा है। 22 छात्राओं को साइकिल वितरण के मामले में कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग ने कहा कि, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से सरस्वती साइकिल योजना के तहत 9वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाली बेटियों को साइकिल दी जाती है। जिले में इस बार 22 छात्राओं को साइकिल प्रदान किया जाएगा जिसकी शुरुआत हो चुकी है।

आगे की शिक्षा के लिए मिला प्रोत्साहन-कल्पना नारद साहू ने कहा की प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पहले कक्षा आठवीं के बाद बेटियों के ड्रॉप आउट की संख्या काफी थी, लेकिन इस योजना के आने के बाद से उन्हें आगे की शिक्षा के लिए प्रोत्साहन मिला है।

दुर्ग शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कक्षा 9वीं में प्रवेश करने वाली बेटियों को सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से निःशुल्क साइकिल दिया जाएगा। जिससे उनके घर से स्कूल तक का सफर आसान होगा और स्कूल की ओर बढ़ते साइकिल के पाहिए उनके भविष्य के प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इस अवसर मे- कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग, नारद साहू अध्यक्ष भाजयुमो दक्षिण पाटन, कमलेश साहू मंडल अध्यक्ष, पुनेंद्र सिंहा, मंडल महामंत्री, अंगेश्वर साहू अध्यक्ष, मनीष जैन, संसद प्रतिनिधि, अरूण चंद्राकर मंडल कोषाध्यक्ष, विद्यालय के प्राचार्य सरजूराम ठाकुर, सायकल वितरण प्रभारी प्रभारी किशोर साहू, मोहित कुमार साहू, एन के धीवर, गौरव मिथलेश, चंद्रहास साहू, अभिषेक सेन सहित बड़ी संख्या में पालक एवं बालक की उपस्थिति रही।

राष्ट्रव्यापी नशा मुक्त भारत अभियान

जिले के 30 हजार से अधिक नागरिकों व विद्यार्थियों ने ली शपथ

मुंगेली। जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में नशामुक्ति कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा उन्हें स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल एवं जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विद्यार्थियों को समय के सदुपयोग, लक्ष्य निर्धारण और अनुशासन की महत्ता पर मार्गदर्शन दिया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में समय और अवसर बार-बार नहीं मिलते। अभी का समय अध्ययन और व्यक्तित्व निर्माण का है, जिसे किसी भी स्थिति में व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया के संतुलित उपयोग और नशे से पूर्णतः दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम ही सफलता की असली कुंजी है। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने छात्रों और उपस्थित लोगों को नशे से दूरी बनाए रखने तथा समाज में अन्य लोगों को भी नशामुक्ति हेतु प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का भविष्य है और उन्हें स्वस्थ व नशामुक्त रहकर देश निर्माण में भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के उप संचालक नदीम काज़ी, प्राचार्य डॉ. आई.पी. यादव और स्कूल स्टाफ मौजूद रहे। इस दौरान जिले भर में नशामुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें लगभग 30 हजार से अधिक नागरिकों, स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने भाग लेकर नशे से दूर रहने और किसी भी प्रकार के नशे को नहीं अपनाने की शपथ ली। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई और नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु सभी से सहयोग की अपील की गई।

कोसा नाला गौठान से पशुओं को जामुल ट्रेचिंग ग्राउण्ड में शिफ्ट किया जाएगा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत जामुल ट्रेचिंग ग्राउण्ड, निर्माणाधीन डोम शेड, बाउण्ड्रीवाल, एस.एल.आर.एम. सेंटर सहित निर्माणाधीन सड़क का अवलोकन आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। निगम आयुक्त ने जामुल स्थित ट्रेचिंग ग्राउण्ड का अवलोकन किये। कोसा नगर गौठान को अब जामुल ट्रेचिंग ग्राउण्ड में शिफ्ट करने का कार्य प्रक्रिया में है। गायों के लिए अलग से डोम शेड निर्माण करने निर्देशित किये हैं। ट्रेचिंग ग्राउण्ड के बगल में बाउण्ड्रीवाल का कार्य प्रगति पर है, जिसका जायजा लेते हुए कार्य शीध्र पूर्ण करने निर्देशित किये है। आयुक्त ने एस.एल.आर.एम. सेंटर में कार्यरत कर्मीयों से मुलाकात कर समस्या से अवगत हुए। कुरूद सुंदर विहार में नगरोथान योजना के तहत सड़क का निर्माण किया जाना है, जिसका स्थल निरीक्षण कर आयुक्त ने कार्य अविलम्ब पूर्ण करने निर्देशित किये हैं । इस रोड के निर्माण से मोहल्ले वासियों की बड़ी राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक अभियंता अर्पित बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह उपस्थित रहे।

विश्व शौचालय दिवस पर दुर्ग में दो आधुनिक 'आकांक्षा टॉयलेट' का शुभारंभ

महापौर अलका बाघमार ने फीता काटकर किया लोकार्पण, निगम ने दी शहरवासियों को नई सौगात

दुर्ग। विश्व शौचालय दिवस 2025 के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत नगर पालिक निगम दुर्ग में स्वीकृत आकांक्षीय शौचालयों का आज लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार ने आयुक्त सुमित अग्रवाल,स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल के अलावा जन प्रतिनिधियों के साथ राजेंद्र पार्क चौक के पास एवं गंजपारा निगम कम्प्लेक्स स्थित गोकुल होटल के पीछे निर्मित दो आकांक्षा टॉयलेट' का फीता काटकर शुभारंभ किया। भारत सरकार के निर्देशानुसार, विश्व शौचालय दिवस पर पूरे देश में आधुनिक एवं नागरिक अनुकूल शौचालयों का लोकार्पण किया जाना प्रस्तावित था। इसी क्रम में दुर्ग नगर निगम ने दोनों स्थानों में निर्मित मॉडल आकांक्षा शौचालयों को जनता को समर्पित किया। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री द्वारा नई दिल्ली से आयोजित मुख्य कार्यक्रम में निगम कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रें सिंग के माध्यम से सहभागिता की। दोनों शौचालयों में जल, विद्युत, सुरक्षा एवं स्वच्छता की सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। गंजपारा निगम कम्प्लेक्स के पीछे..10 सीटर टॉयलेट की सुविधाएं है। इसके अलावा परिसर में हैंड ड्रायर, सैनिटरी पैड उपलब्धता, सैनिटरी पैड डिस्पोजल मशीन, फीडबैक मशीन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं, जो इसे पूर्णतः स्मार्ट एवं जनहितकारी बनाती हैं।

महापौर अलका बाघमार ने कहा नगर निगम दुर्ग में स्वच्छता एवं जनसुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आज लोकार्पित ये आकांक्षा टॉयलेट स्वच्छ भारत मिशन की भावना को मजबूत करेंगे। हमारा लक्ष्य है कि शहर के हर नागरिक को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधा-संपन्न सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध हो। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा आज शुरू किए गए दोनों आकांक्षा शौचालय तकनीकी रूप से आधुनिक हैं। नगर निगम सतत निगरानी और नियमित सफाई सुनिश्चित करेगा। निगम का प्रयास है कि शहर के सभी प्रमुख स्थानों पर इसी तरह के उच्च गुणवत्ता वाले सार्वजनिक शौचालय विकसित किए जाएं।इस अवसर पर आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्य शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शिव नायक, नीलेश अग्रवाल, सहायक अभियंता संजय ठाकुर, उपअभियंता हरिशंकर साहू, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, मतिम शेख सहित आदि मौजूद रहें। उक्त शौचालय सभी प्रकार की सुविधाओं से युक्त हैं।

शौचालयों में महिला एवं पुरूष हेतु अलग अलग प्रवेश द्वार, केयर टेकर कक्ष, शिशुओं के लिए अलग देखभाल कक्ष की सुविधा नागरिकों हेतु प्रदान की गई है। शौचालयों में पानी के बचाव हेतु अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की गई है। उक्त शौचालयों में पूर्ण तरीके से ऑटोमैटिक नल, हाथ सुखाने हेतु ऑटोमैटिक हैंड ड्रायर मशीन, महिलाओं हेतु सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन, इंसीनरेटर मशीन, शौचालयों की साफ सफाई के प्रतिक्रिया हेतु नागरिकों के लिए फीडबैक मशीन आदि सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

धान के समर्थन मूल्य में वृद्धि से कृषक खिलावन देशमुख के चेहरे पर साफ़दिखी खुशी

दुर्ग। जिले में छत्तीसगढ़ शासन की किसान हितैषी नीतियाँ सफलतापूर्वक लागू हो रही हैं, जिसके परिणाम स्वरूप ग्राम जंजगिरी के कृषक खिलावन सिंह देशमुख जैसे किसान आत्मनिर्भरता की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं। देशमुख ने अंडा सोसाइटी में अपनी 86 क्विंटल से अधिक की धान उपज बेची।

उन्होंने बताया कि समर्थन मूल्य में हुई उल्लेखनीय वृद्धि के कारण उनकी आय में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। पूर्व में, उन्हें अपनी लगभग 4.25 एकड़ की उपज से मुश्किल से 1.25 लाख से 1.40 लाख तक प्राप्त होते थे, जबकि इस वर्ष अब उन्हें लगभग 2.70 लाख की आय हो रही है। इस आर्थिक संबल के साथ ही, कृषक देशमुख ने शासन की पारदर्शी और तकनीक-आधारित धान खरीदी व्यवस्था की भी विशेष सराहना की। उन्होंने बताया कि ''तुंहर टोकन'' मोबाइल ऐप का उपयोग करके उन्हें घर बैठे ही अपनी उपज बेचने के लिए निर्धारित तिथि और समय का टोकन आसानी से मिल गया। इस तकनीक ने उपार्जन केंद्रों पर लगने वाली लंबी कतारों को समाप्त कर दिया है, जिससे किसानों का बहुमूल्य समय और श्रम बच रहा है। कृषक देशमुख के अनुसार, इस त्वरित और सुगम प्रक्रिया से उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। इस बेहतर समर्थन मूल्य और सरल व्यवस्था के लिए देशमुख ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का विशेष धन्यवाद व्यक्त किया, जो दर्शाता है कि राज्य सरकार की योजनाएँ सही मायनों में किसानों के जीवन स्तर को बेहतर बना रही हैं।

नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगाँठ पर जिले में व्यापक जागरूकता और शपथ कार्यक्रम आयोजित

दुर्ग। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार 'नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर 18 नवंबर 2025 को जिलेभर में व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिले के सभी विभागों, कार्यालयों, ग्राम पंचायतों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं सहित स्कूल, उच्च शिक्षा, चिकित्सा और कृषि शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं, महिला समूहों, स्वयं सेवकों तथा आम नागरिकों ने नशा मुक्ति की शपथ ली। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा स्व. सेठ रतनचंद सुराना कॉलेज के सहयोग से कॉलेज परिसर हॉल में विशेष नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में अमृतसर, पंजाब में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया, जिसे प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक देखा। इस अवसर पर महापौर मती अल्का बाघमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जिले में चल रहे अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया। अन्य अतिथियों ने भी नशा उन्मूलन हेतु समाज की सक्रिय भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक ए.पी. गौतम, वार्ड पार्षद सरिता विनोद चन्द्राकर, पार्षद कुलेश्वरी ठाकुर, पार्षद ज्ञानेश्वर ताम्रकार, सुराना कॉलेज की प्राचार्य डॉ. पूजा मल्होत्रा, गायत्री परिवार के संयोजक पी.एल. साव एवं योगेन्द्र कुमार, कल्याणी नशा मुक्ति केंद्र के संचालक अजय कल्याणी, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी के सदस्य बी.के. बेनीमाई साथ ही कॉलेज एवं विभाग के अन्य शिक्षक, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

धान खरीदी हेतु सौंपे गए दायित्व का निर्वहन करें अधिकारी-कर्मचारी : संभागायुक्त राठौर

दुर्ग। संभागायुक्त एस.एन. राठौर ने कहा कि धान खरीदी शासन की प्राथमिकता में है। वर्तमान उत्पन्न स्थिति को ध्यान में रखते हुए संभाग के सभी जिलों में जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी व्यवस्था के संचालन हेतु सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। अतएव संभाग अंतर्गत जिन अधिकारी-कर्मचारी की ड्यूटी धान खरीदी हेतु लगाई गई हैं, वे अपने दायित्वों का निर्वहन बेहतर ढ़ंग से करना सुनिश्चित करें। संभागायुक्त राठौर ने अवगत कराया कि शासन द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों की सेवाओं को अत्यावश्यक मानते हुए एस्मा लगाई गई है। इस स्थिति में कौताही बरतने वालों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही हो सकती है। संभागायुक्त राठौर ने संभागीय कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक में उक्त बातें कही। संभागायुक्त राठौर ने संभाग स्तरीय अधिकारियों को अधीनस्त अधिकारी-कर्मचारी जिनकी ड्यूटी धान खरीदी में लगी है, उन्हें निर्धारित क्षेत्रों में अपनी सेवाओं में उपस्थित रहने निर्देशित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने संयुक्त संचालक कृषि को संभाग के जिलों में रबी फसल में धान के बदले दलहन-तिलहन, गेंहू, चना, मसूर, कुसुम की पैदावारी लेने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार मिलेट्स फसलों की रकबा बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने संभाग अंतर्गत पहाड़ से लगे मैदानी क्षेत्रों में मसाला फसल, धनिया की पैदावार को बढ़ावा देने हेतु क्षेत्र के किसानों को आवश्यक सुविधाओं के साथ प्रेरित करने कहा। संभागायुक्त ने आश्वस्त किया कि ऐसे क्षेत्रों के किसानों को प्रस्ताव के आधार पर आवश्यक अनुदान की भी व्यवस्था कराई जाएगी। उन्होंने बारिश की समाप्ति को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण को बढ़ावा देने जिलों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा निर्मित स्टॉप डेम में पानी रोकने गेट बंद कराने जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता को आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। बैठक में संभाग आयुक्त राठौर ने समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा भी की। साथ ही प्रकरण निराकरण के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिए।

बैठक में उपायुक्त (राजस्व) पदुमलाल यादव, उपायुक्त (विकास) संतोष ठाकुर सहित समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

फायरिंग में हॉक इंस्पैक्टर शहीद, दूसरी तरफ ऑपरेशन में फोर्स को सफलता की उम्मीद

कनघुर्रा फायरिंग : दर्रेकसा, भोरमदेव और विस्तार प्लाटून का ट्राई जंक्शन, यही नक्सलियों का प्लानिंग एरिया

यहां नक्सलियों को बड़ा नुकसान हुआ तो एमएमसी एरिया में टूटेगी नक्सलियों की कमर

राजनांदगांव। जिले के बोरतलाव हिस्से का एक जंगल है कनघुर्रा। यहीं मंगलवार रात से छग-मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र और नक्सलियों के लिए मुठभेड़ हुई।, जो देर शाम तक जारी है। बुधवार सुबह मध्यप्रदेश के हॉक इंस्पैक्टर आशीष शर्मा शहीद हुए। फोर्स को नुकसान होने के बाद ऑपरेशन को तेज कर दिया है। कटेमा से लेकर कनघुर्रा का यह वहीं इलाका है, जिसे नक्सलियों का ट्राई जंक्शन है। इसमें दर्रेकसा दलम, भोरमदेव एरिया कमेटी और विस्तार प्लाटून की मौजूदगी रहती है। सूत्रों की मानें तो नक्सलियों के इस ट्राई जंक्शन में हर तरह के माओवादी शामिल है। इसका परफेक्ट लोकेशन मिलने के बाद तीनों ही राज्यों की पुलिस ने ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया। पुलिस अधिकारियों की मानें तो नक्सली-पुलिस के बीच फायरिंग लगातार हो रही है। यदि नक्सलियों का यहां नुकसान होता है तो उनकी कमर टूट जाएगी। हालांकि नक्सलियों को भी गोली लगने की बात सामने आ रही है। लेकिन पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जब तब फोर्स जंगल से नहीं लौटेगी, कुछ भी स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता।

इसलिए नक्सलियों का फ्रंट एरिया

कनघुर्रा- कटेमा का इलाका, छग, मप्र और महाराष्ट्र का इलाका लगता है। तीनों राज्यों से इधर-उधर जाने में नक्सली इसी जंक्शन का इस्तेमाल करते हैं। भौगोलिक दृष्टि से भी यह हिस्सा फारेस्ट और पहाड़ी वाला है। ऐसे में नक्सली इसे अपने लिए फ्रंट एरिया मानते है, प्लानिंग भी इन्हीं जंगलों में होती है। यहां नक्सलियों का पुख्ता लोकेशन मिलने पर बड़ा ऑपरेशन छेड़ा गया है।

बड़े नक्सलियों के होने की खबर

सूत्रों की मानें तो यह नक्सलियों का ट्राई जंक्शन एरिया है। इसलिए इस वक्त मुठभेड़ में बड़े कैडर के होने की भी संभावना है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने फोर्स और नक्सलियों की संख्या को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। लेकिन पुलिस को सफलता मिली तो वह बेहतर साबित होगी और ट्राई जंक्शन पर भी तीनों ही राज्यों का दबदबा बनेगा।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में खेलो इंडिया लघु केन्द्र मर्रा, पाटन की बालिका का चयन

दुर्ग। 25वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सब-जूनियर (बालक/बालिका वर्ग) कबड्डी चैम्पियनशिप का आयोजन कबड्डी प्रशिक्षण केन्द्र पेण्ड्रा में 25 से 27 अक्टूबर 2025 तक सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में खेलो इंडिया लघु केन्द्र मर्रा, पाटन की प्रतिभाशाली बालिका कु. लक्ष्मी नेताम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दुर्ग जिला का प्रतिनिधित्व किया। खेल एवं युवा कल्याण से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रतियोगिता में दुर्ग जिले के अंतर्गत ब्लॉक दुर्ग, पाटन एवं धमधा के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें से कु. लक्ष्मी नेताम ने अपने उम्दा खेल कौशल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। जिला प्रशासन एवं विभाग के अधिकारियों ने कु. लक्ष्मी नेताम को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com